7

दी नेक्सट पोस्ट

साप्ताहिक

3 गोली-बंदूक की दुकान पर प्रचार, 'पाइए मां की गोद जैसा आराम', कारतूस- असलहे का धंधा हुआ मंदा

5 विरासत, बगावत और चुनावी अदावत तीसरे चरण के चुनावी रण में सूरमाओं का समर

8 रोहित शर्मा का क्या मिटेगा 17 साल का सूखा

UPHIN51019 | वर्षः 01, अंकः 41 | पृष्ठ संख्याः 8 | मूल्यः 1.00 रू. | सोमवार 06 मई, 2024

भीषण गर्मी से धधक रहे शहर

लू के थपेड़ों के बीच IMD ने पूर्वी-दक्षिणी राज्यों के लिए जारी किया रेड अलर्ट

लखनऊ। मौसम वैज्ञानिक ने कहा "झारखंड के लिए हमने ऑरेंज या येलो अलर्ट दिया है। हम अगले 4–5 दिनों के दौरान तेलंगाना आंतरिक कर्नाटक और तटीय आंध्र प्रदेश के लिए चेतावनी स्तर को ऑरेंज तक बढ़ा रहे हैं। आईएमडी ने कहा कि 15 अप्रैल से ओडिशा में और 17 अप्रैल से गंगीय पश्चिम बंगाल में लगातार लू की स्थिति बनी हुई है।

आंध्र प्रदेश, बिहार, पश्चिम बंगाल और ओडिशा राज्यों के लिए हीटवेव के कारण रेड अलर्ट जारी किया गया है।

ऑनलाइन डेस्क, नई दिल्ली। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने अगले दो से तीन दिनों के लिए आंध्र प्रदेश, बिहार, पश्चिम बंगाल और ओडिशा राज्यों के लिए हीटवेव के कारण रेड अलर्ट जारी किया है। इसके अलावा मौसम विभाग ने तेलंगाना, आंतरिक कर्नाटक और तटीय आंध्र प्रदेश में अगले 4–5 दिनों के लिए हीटवेव चेतावनी स्तर का 'ऑरेंज अलर्ट' भी जारी किया है।

आईएमडी वैज्ञानिक सोमा सेन ने सोमवार को कहा कि भीषण गर्मी की लहरों से प्रभावित होने वाला मुख्य क्षेत्र पूर्वी भारत है, प्रायद्वीपीय भारत में तीव्रता थोड़ी कम होगी। यह हमारे मासिक पूर्वानुमान के अनुरूप है जिसमें भविष्यवाणी की गई थी कि इन क्षेत्रों में गर्मी की लहरें अधिक गंभीर और तीव्र होने की संभावना है।

मौसम वैज्ञानिक ने कहा, "झारखंड के लिए हमने ऑरेंज या येलो अलर्ट दिया है। हम अगले 4–5 दिनों के दौरान तेलंगाना, आंतरिक कर्नाटक और तटीय आंध्र प्रदेश के लिए चेतावनी स्तर को ऑरेंज तक बढ़ा रहे हैं। आईएमडी ने कहा कि 15 अप्रैल से ओडिशा में और 17 अप्रैल से गंगीय पश्चिम बंगाल में लगातार लू की स्थिति बनी हुई है। वहीं, आंध्र प्रदेश में रायलसीमा क्षेत्र लगातार भीषण गर्मी की चपेट में है। इसी तरह, केरल में कोट्टायम और अलाप्पुझा जैसे कुछ हिस्से भी भीषण गर्मी से प्रभावित हुए।

आईएमडी ने हीटवेव की संभावना के कारण सोमवार और मंगलवार को केरल के पलक्कड़ जिले में 'ऑरेंज अलर्ट' जारी किया। इस बीच, केरल राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (केएसडीएमए) ने भी भीषण गर्मी के मद्देनजर और लू के संभावित खतरे के कारण कोल्लम और त्रिशूर जिलों के कुछ इलाकों में 'येलो अलर्ट' जारी किया है।

तापमान पहुंचा 47.2 डिग्री के आसपास

मौसम विभाग के मुताबिक, बंगाल के कलाईकुंडा में मंगलवार को तापमान 47.2 डिग्री रहा, जो सामान्य से 10.4 डिग्री ज्यादा था। इसको लेकर मौसम विभाग ने कहा कि पश्चिम बंगाल, गुजरात, बिहार, ओडिशा में अगले दो दिन चरम हीटवेव रहेगा। वहीं, झारखंड, तेलंगाना, कर्नाटक, केरल, महाराष्ट्र व आंध्र में 5 दिन हीटवेव के हालात बने रहेंगे। मौसम एजेंसियों ने अपने विश्लेषण में कहा कि ओडिशा, बिहार, बंगाल, महाराष्ट्र व कर्नाटक में 3 से 4 दिनों तक रात में गर्म हवाएं चलेंगी।

उत्तर भारत में भीषण गर्मी से राहत

मौसम विभाग ने कहा कि उत्तर भारत के राज्यों में अगले कुछ दिनों में भीषण गर्मी से राहत मिल सकती है। बिहार, झारखंड समेत मध्य प्रदेश, पूर्वी उत्तर प्रदेश के कुछ हिस्सों में तेज हवाओं के साथ हल्की बारिश होने की संभावना है। इसके अलावा, उत्तराखंड में भी हल्की बारिश होने की संभावना है। वहीं, पूर्वोत्तर राज्यों में भी हल्की कहीं-कहीं पर हल्की बारिश हो सकती है।

कब तक मिलेगी गर्मी से राहत?

आईएमडी के अनुसार, उत्तर भारत के कुछ राज्यों में 2 मई के बाद से भीषण गर्मी से राहत मिल सकती है। इसको लेकर कुछ राज्यों में बारिश का अलर्ट जारी किया जा रहा है। मौसम वैज्ञानिक ने बताया कि कर्नाटक तक एक ट्रफ रेखा बनी हुई है, जिससे अगले कुछ दिनों में केरल और लक्षद्वीप में हल्की बारिश हो सकती है।

पूर्वी - दक्षिणी राज्यों में हीटवेव

मौसम विभाग ने अनुमान जताते हुए कहा कि पूर्वी व दक्षिणी राज्यों के अधिकांश क्षेत्रों में मई में हीटवेव के हालात बने रहेंगे। जिसमें ओडिशा, पश्चिम बंगाल, बिहार, झारखंड, उत्तर प्रदेश, छत्तीसगढ़, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, महाराष्ट्र, कर्नाटक शामिल हैं। वहीं, देश के उत्तर- पश्चिमी क्षेत्र में पश्चिमी विक्षोभों का असर बना रहेगा। इसके चलते मई में हर हफ्ते दो से तीन दिन ही पारा 40 डिग्री सेल्सियस के पार जाएगा।

आंटी जी पार्क में छोड़ देती हैं बुलडाग, बच्चे, बुजुर्ग कैसे करें वाक

गोरखपुर। नोएडा, गाजियाबाद के बाद जिले में भी पालतू कुत्ते को लेकर विवाद सामने आया है। यह विवाद अब अधिकारियों तक पहुंच गया है। रामगढ़ताल इलाके के एक युवक ने एसपी सिटी कृष्ण कुमार बिश्नोई से शिकायत की है। युवक का कहना है कि बुलडॉग की वजह से पार्क में बच्चे, बुजुर्ग टहल नहीं पा रहे हैं। एक आंटी पालतू बुलडॉग लेकर साथ में आती हैं। उसे पार्क में खुला छोड़ देती हैं, डॉग की दहशत में टहलने वाले लोग इधर-उधर हो जाते हैं।

रामगढ़ताल इलाके आम्रपाली आवासीय योजना निवासी सर्वेंद्र सिंह ने मंगलवार को एसपी सिटी को शिकायत पत्र दिया है। जिसमें लिखा है कि 26 अप्रैल को रात में आठ बजे घर के सामने स्थित पार्क में एक बुद्ध विहार की महिला पुत्री के साथ अपना पालतू बुलडॉग लेकर आईं।

पार्क में मेरी बहन, भाई और पड़ोस के लोग टहल रहे थे। महिला ने पार्क में बुलडॉग खुला छोड़ दिया था। महिला से मैंने बुलडॉग को चेन में बांधने के लिए कहा। इस पर वह नाराज हो गईं, गाली बकते हुए मेरे घर तक आ गईं। घर पर मां ने उन्हें रोकने का प्रयास किया तो वह चप्पल लेकर अंदर चली आईं। उनके फोन करने पर 4-5 लड़के भी कार से आ गए।

पार्क में खेलना है तो बुलडाग से लड़ो

सर्वेंद्र का कहना है कि महिला की कालोनी में दहशत है। आए दिन पार्क में वह बुलडॉग छोड़ देती हैं। कहती हैं कि पार्क में खेलना है तो बुलडॉग से लड़ना पड़ेगा। सर्वेंद्र ने बताया कि बुलडॉग कई लोगों को काट चुका है। इसकी भी सोसाइटी में शिकायत पहले चुकी है। कुछ भी कहने पर महिला मारने पीटने की बात करती है। सर्वेंद्र ने पुलिस से महिला के खिलाफ एफआईआर लिखकर कार्रवाई करने गुहार लगाई है। एसपी सिटी कृष्ण कुमार बिश्नोई ने बताया कि संबंधित थाने को शिकायत पत्र की जांच कर कार्रवाई करने को कहा गया है। जहां भी पब्लिक की भीड़ भाड़ हो वहां कोई भी पालतू जानवर खुला रखने की छूट नहीं है।

रायबरेली से नामांकन दाखिल करने के बाद राहुल गांधी ने दी पहली प्रतिक्रिया कहा, मेरी मां ने मुझे बड़े भरोसे के साथ...

रायबरेली से नामांकन दाखिल करने के बाद राहुल गांधी ने सोशल मीडिया के एक्स प्लेटफॉर्म के माध्यम से अपनी पहली प्रतिक्रिया जाहिर की। राहुल गांधी ने लिखा है कि रायबरेली से नामांकन मेरे लिए भावुक पल था। मेरी मां ने मुझे बड़े भरोसे के साथ परिवार की कर्मभूमि सौंपी है और उसकी सेवा का मौका दिया है।

रायबरेली। कयास लगाए जा रहे थे कि राहुल गांधी अमेठी से चुनाव लड़ सकते हैं। एक रात पहले कार्यकर्ताओं ने उनके फ्लैक्स बनवाकर पार्टी ऑफिस में लगा दिए थे। लेकिन राहुल गांधी ने सभी को चौंकाते हुए रायबरेली से नामांकन दाखिल कर दिया। वहीं अमेठी से कांग्रेस ने केएल शर्मा को मैदान में उतारा है। राहुल गांधी के यूपी से चुनाव लड़ने के बाद अब चुनाव और दिलचस्प हो गया है।

नामांकन दाखिल करने के बाद राहुल ने दी पहली प्रतिक्रिया

रायबरेली से नामांकन दाखिल करने के बाद राहुल गांधी ने सोशल मीडिया के एक्स प्लेटफॉर्म के माध्यम से अपनी पहली प्रतिक्रिया जाहिर की। राहुल गांधी ने लिखा है कि रायबरेली से नामांकन मेरे लिए भावुक पल था। मेरी मां ने मुझे बड़े भरोसे के साथ परिवार की कर्मभूमि सौंपी है और उसकी सेवा का मौका दिया है।

अमेठी और रायबरेली मेरे लिए अलग-अलग नहीं : राहुल

राहुल गांधी ने आगे कहा कि अमेठी और रायबरेली मेरे लिए अलग-अलग नहीं हैं, दोनों ही मेरा परिवार हैं और मुझे खुशी है कि 40 वर्षों से क्षेत्र की सेवा कर रहे किशोरी लाल जी अमेठी से पार्टी का प्रतिनिधित्व करेंगे। अन्याय के खिलाफ चल रही न्याय की जंग में, मैं मेरे अपनों की मोहब्बत और उनका आशीर्वाद मांगता हूं। मुझे विश्वास है कि संविधान और लोकतंत्र को बचाने की इस लड़ाई में आप सभी मेरे साथ खड़े हैं।

पुलिस खोजते रह गई आरोपियों को, फरार आरोपी हाईकोर्ट से लेते आए अरेस्ट स्टे

गोरखपुर। इलहाबाद उच्च न्यायालय के न्यायाधीश सिद्धार्थ और सुरेंद्र सिंह की बेंच ने तीनों की गिरफ्तारी पर त्वरित रोक लगा दी है। सरकारी अधिवक्ता को सात मई तक का समय दिया है। कहा है कि केस की फ्रेश फाइल लेकर कोर्ट में रखें। व्यापारी से 50 लाख रुपये छीनने के मामले में फरार आरोपी चल रहे तीनों आरोपियों को उच्च न्यायालय से राहत मिल गई है। न्यायाधीश सिद्धार्थ और सुरेंद्र सिंह की बेंच ने तीनों की गिरफ्तारी पर त्वरित रोक लगा दी है। सरकारी अधिवक्ता को सात मई तक का समय दिया है। कहा है कि केस की फ्रेश फाइल लेकर कोर्ट में रखें। गोरखपुर कोर्ट में आरोपियों के अधिवक्ता राहुल तिवारी ने शनिवार को कोतवाली के पैरोकार के साथ कोर्ट में अरेस्ट स्टे दाखिल कर दिया।

आरोपी दरोगा चौकी इंचार्ज के अलावा पुलिस ने तीन अज्ञात पर भी केस दर्ज किया था। जांच के दौरान पुलिस ने तीन नामों को बढ़ाते हुए प्रचंड प्रताप सिंह, विशाल तिवारी और मुकेश को आरोपी बनाया। इनके खिलाफ एनबीडब्ल्यू भी जारी किया गया था। क्राइम ब्रांच, एसओजी और सर्विलांस की टीमें इनकी गिरफ्तारी में जुटी थीं, लेकिन 27 दिनों तक इन्हें नहीं खोज सकीं। इसी बीच तीनों ने हाईकोर्ट की शरण ली और अरेस्ट स्टे हासिल किया। पैरवी कर रहे नितिन चंद्र मिश्रा की दलीलों को सुनने के बाद सरकारी वकील से भी पक्ष मांगा गया, लेकिन वे नहीं दे सके। वहीं, आयकर विभाग ने व्यापारी नवीन श्रीवास्तव के घर समन चस्पा कर बयान के लिए संपर्क किया पर बयान दर्ज नहीं हो सका। पुलिस और आयकर विभाग इसे हवाला की रकम ही मान रही है। आयकर विभाग के पास जबतक नवीन श्रीवास्तव का लिखित बयान नहीं होगा, तब तक जब्त की गई रकम को आयकर विभाग अपने कब्जे में नहीं ले पाएगा। पकड़ा गया 44 लाख रुपये कोतवाली के मालखाने में पड़ा है। इधर, आयकर विभाग की तरफ से कोतवाली पुलिस को भी नवीन श्रीवास्तव को हाजिर करवाने का एक समन भेजा गया।

लोकसभा चुनाव में मध्यप्रदेश के इंदौर से कांग्रेस के उम्मीदवार अक्षय कांति बम ने जिस प्रकार से नामांकन वापसी के अंतिम दिन नाम वापस लिया है

सूरत कांड की इंदौर में पुनरावृत्ति

लोकसभा चुनाव में मध्यप्रदेश के इंदौर से कांग्रेस के उम्मीदवार अक्षय कांति बम ने जिस प्रकार से नामांकन वापसी के अंतिम दिन नाम वापस लिया है, वह गुजरात के 'सूरत कांड की पुनरावृत्ति' ही है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का 'गुजरात प्रवर्तित राजनैतिक मॉडल' कदाचित यही है जिसका उल्लेख उन कारकों में से एक के रूप में अवश्य याद किया जायेगा जिनके कारण देश का लोकतंत्र मौजूदा हालत में है। यह अलग बात है कि कुछ लोग, यहां तक कि मीडिया का एक धड़ा इसे 'मास्टरस्ट्रोक' निरूपित कर सकता है, लेकिन उन्हें भी याद रखना होगा कि राजनीति को नैतिकता, मूल्यों एवं आदर्शों से मुक्त करने का तात्कालिक लाभ तो मिल सकता है परन्तु वह देश के स्थायी हित में कतई नहीं हो सकता। इसकी कीमत कभी न कभी जिम्मेदार व्यक्ति या संगठन को उठानी ही पड़ेगी जो किसी भी रूप में इसके लिये जिम्मेदार हैं या जिनकी ऐसे कृत्यों में प्रत्यक्ष अथवा परोक्ष भागीदारी रही हो।

लोग यह भूल भी नहीं पाये थे कि अक्षय ने जब कांग्रेस प्रत्याशी के रूप में नामांकन दाखिल किया था तब उनके साथ शक्ति प्रदर्शन के रूप में निकले जुलूस में खुद प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी उपस्थित थे। हफ्ते भर में ही भारतीय जनता पार्टी ने गुपचुप 'आपरेशन लोटस' चलाकर उन्हें अपने पाले में कर लिया। अब वहां से भाजपा के उम्मीदवार शंकर लालवानी का जीतना तय कहा जा सकता है क्योंकि इस सीट पर मुख्य प्रतिद्वंद्वी कांग्रेस ही थी। सोमवार को अक्षय कांति इंदौर के विधायक रमेश मेंदोला के साथ कलेक्टर यानी निर्वाचन अधिकारी के कार्यालय पहुंचे और अपना नामांकन वापस ले लिया। मप्र की भाजपा सरकार में मंत्री तथा पार्टी के कद्दावर नेता कैलाश विजयवर्गीय की कार में वे लौटे। गर्वित विजयवर्गीय ने इसकी एक सेल्फी अपने एक्स अकाउंट पर पोस्ट करते हुए अक्षय का अपनी पार्टी में स्वागत किया है।

कई वर्षों से इंदौर की सीट पर भाजपा का कब्जा रहा है। इस बार कांग्रेस ने अपना युवा नेता उतारा था जिसके पक्ष में कांग्रेस के बड़े नेता प्रचार भी कर रहे थे और माना जा रहा था कि इस बार यहां से भाजपा की राह बहुत आसान नहीं है। पिछले विधानसभा चुनाव में अक्षय ने इंदौर की चार सीटों पर दावेदारी की थी जिसे स्वीकार नहीं किया गया था। इसके बजाय कांग्रेस ने उन्हें देश की सबसे बड़ी पंचायत का टिकट थमाकर उनमें अपना भरोसा जताया था। बताया यह जाता है कि इनके खिलाफ दायर एक 17 वर्ष पुराने मामले में तीन दिन पहले ही धारा 307 जोड़ी गई थी। क्या ऐसे नाजुक मौके पर अपनी पार्टी की पीठ में नहीं वरन छाती में छुरा भोंकने की वजह यही मामला है? वैसे इस सीट पर तीन अन्य प्रत्याशियों ने भी अपने नामांकन वापस ले लिये हैं। याद हो कि कुछ ही दिन पहले गुजरात की सूरत लोकसभा सीट पर भी लगभग ऐसा ही एपीसोड हुआ है। वहां तो भाजपा प्रत्याशी मुकेश दलाल को बाकायदा विजयी घोषित कर उन्हें निर्वाचन अधिकारी द्वारा प्रमाणपत्र भी पकड़ा दिया गया क्योंकि उनके खिलाफ़ कांग्रेस समेत सारे प्रत्याशियों के नामांकन या तो रद्द कर दिये गये या खुद उन्होंने ही वापस ले लिये। यहां 7 मई को तीसरे चरण के अंतर्गत मतदान होना था। उसके पहले मध्यप्रदेश की खजुराहो लोकसभा क्षेत्र में भी कुछ ऐसा ही देखने को मिला। कांग्रेस व समाजवादी पार्टी के गठबन्धन के अंतर्गत यह सीट सपा को दी गई थी लेकिन उसकी प्रत्याशी मीरा यादव का नामांकन रद्द हो गया जिससे प्रदेश के भाजपा अध्यक्ष विष्णु दत्त शर्मा को लगभग वाकओवर मिल गया है। कहने को तो इंडिया गठबन्धन ने ऑल इंडिया फॉरवर्ड ब्लॉक के प्रत्याशी पूर्व आईएएस आरबी प्रजापति को समर्थन दिया है लेकिन इसे महज खानापूरी माना जा रहा है। इस सीट पर 26 अप्रैल को यानी दूसरे चरण के तहत मतदान हो चुका है। कांग्रेस तथा उसके नेतृत्व में बनी इंडिया गठबन्धन के लगातार मजबूत होने तथा भाजपा के कमजोर होते विमर्श का यह साइड इफेक्ट माना जा रहा है जिसके अंतर्गत भाजपा तीसरी बार केन्द्र की सत्ता में आने के लिये तमाम तरह के हथकण्डे अपना रही है। तिस पर, भाजपा ने अब की बार खुद के बल पर 370 तथा अपने नेशनल डेमोक्रेटिक गठबन्धन (एनडीए) के माध्यम से 400 सीटों का लक्ष्य रखा है। उसके गिरते ग्राफ एवं खुद मोदी की घटती लोकप्रियता के चलते यह लक्ष्य असम्भव माना जा रहा है लेकिन एक के बाद दूसरे और दूसरे के बाद तीसरे लोकसभा क्षेत्र में जैसा खेला भाजपा ने किया है उससे लगता है कि वह चुनाव मैदान में उतरे बगैर ही इसी तरह से अधिकतम सीटें अपनी झोली में डाल लेना चाहती है ताकि मतदान केन्द्रों के जरिये उसकी सम्भावित हार के चलते घटने वाली सीटों की यथासम्भव भरपायी पहले से ही कर ली जाये। चंडीगढ़ मेयर के चुनाव में जिस तरह से भाजपा ने निर्वाचन अधिकारी की मदद से अल्पमत में होने के बावजूद अपने उम्मीदवार को जीत दिलाने की कोशिश की थी, वह बतलाता है कि जो भाजपा एक छोटे से स्थानीय निकाय को हासिल करने के लिये नैतिक गिरावट के तमाम मानकों को नज़रंदाज कर सकती है तो लोकसभा सीट पाने तथा अपने राजनैतिक सफर के सबसे बड़े लक्ष्य को प्राप्त करने के लिये वह क्या–क्या नहीं कर सकती। इंदौर के कांग्रेस प्रत्याशी की नाम वापसी ऐसे समय में हुई है जब पार्टी के कुछ नेता पार्टी छोड़ रहे हैं अथवा पद त्यागकर अपनी नाराजगी जतला रहे हैं। तो भी कांग्रेस को निराश न होकर अपनी लड़ाई जारी रखनी चाहिये।

विरासत कर पर विवाद को खींचने का कोई आधार नहीं

यह प्रयास सार्थक नहीं था, क्योंकि राजस्व अर्जन संपत्ति शुल्क के प्रशासन के अनुरूप नहीं था। इस देश में, संपत्ति शुल्क का भुगतान करने से बचने के लिए, बड़े जमीन जायदाद के मालिकों ने संपत्ति के स्वामित्व को जारी रखने के लिए कानूनी कल्पनाएं रची थीं। ट्रस्ट पसंदीदा माध्यम थे। हिन्दू अविभाजित परिवारों की भी कुछ उपयोगिता थी। पुराने परिवारों में कुलदेवता के नाम पर ट्रस्ट बनाना भी एक व्यापक प्रथा थी। विरासत कर को फिर से लागू करने का विवाद किसी और ने नहीं बल्कि पुराने तकनीक प्रेमी सैम पित्रोदा ने उठाया था, जिसने लोकसभा चुनाव के मौजूदा अभियान में विपक्षी कांग्रेस को एक बड़ी दुविधा में डाल दिया है। हालांकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने ताज़ा चुनावी भाषणों में जो हंगामा मचाया है, वह ग़लत है, क्योंकि यह कांग्रेस के चुनावी घोषणापत्र का हिस्सा नहीं है और सैम पित्रोदा कांग्रेस पार्टी के वरिष्ठ नेता नहीं हैं। सैम पित्रोदा ने राजीव गांधी के सलाहकार के रूप में अपने शुरुआती वर्षों में एक विशिष्ट मौलिक भूमिका निभायी थी। उन्होंने भारत के आधुनिकीकरण के लिए पांच मिशन मोड का विचार रखा था, जिनमें से टेलीकॉम मिशन ने परिवर्तन एजेंट के रूप में काम किया था। पित्रोदा ने सी–डॉट (टेलीमैटिक्स विकास केंद्र) की स्थापना की थी, जिसने देश के दूरदराज के इलाकों में दूरसंचार सेवाओं का विस्तार करने के लिए अनुसंधान और विकास परियोजनाएं शुरू कीं। उन शुरुआती दिनों में, सी–डॉट ने भारतीय परिस्थितियों के लिए विशिष्ट दूरसंचार अनुप्रयोगों पर कुछ मौलिक शोध किये थे जो विशिष्ट रूप से प्रासंगिक थे। दूरसंचार क्षेत्रों के बाद के उदारीकरण के तरह दूरसंचार सेवाओं पर दूरसंचार मंत्रालय के एकाधिकार को खत्म करने से देश में दूरसंचार क्रांति को बढ़ावा मिला। दूरसंचार क्षेत्र को खोले बिना अगली सबसे अच्छी चीज़, आईटी क्रांति और भारत का आईटी महाशक्ति के रूप में उभरना, संभव नहीं हो सकता था।

उन दिनों से सैम के नाम से मशहूर सत्येन्द्र गोवर्धनदास पित्रोदा अपने मूल स्थान अमेरिका वापस चले गये थे। लगभग चालीस साल पहले सैम पित्रोदा की इन शुरुआती चमक ने अपना काम किया है और अब सैम उस पुरानी प्रमुखता को फिर से हासिल करना चाह रहे हैं, लेकिन पुराने विचारों के साथ।

आज सैम पित्रोदा को कुछ ऐसे विचारों के लिए हल्के में खारिज करना अनुचित होगा जो शायद देश की वर्तमान आकांक्षाओं से मेल नहीं खाते। वह केवल उस विचार को आगे बढ़ा रहे थे जिसे राहुल गांधी ने देश में आय असमानता के बारे में अपने चुनावी भाषणों के दौरान उठाया था। यदि व्यापक असमानता है तो तुरंत इसकी जड़ों पर हमला क्यों न किया जाये।

लेकिन ऐसा विचार आज की युगचेतना के विरुद्ध है। विरासत कर, या जिसे अक्सर मृत्यु दिवस के रूप में जाना जाता है, ऐसा ही एक है। मरणासन्न स्थैतिक दुनिया में, जहां खेल हमेशा 'मैं जीतता हूं, तुम हारते हो' जैसा होता है, ऐसे विचारों के लिए कुछ अपील है। गतिशील रूप से बढ़ते परिदृश्य में, जहां नये अवसर उभर रहे हैं, जहां खेल हमेशा 'जीत–जीत' समाधान का होता है, ऐसे विचार खिड़की से बाहर चले जाते हैं। अंतर्निहित कर की अवधारणा राज्य के लिए आकर्षक है क्योंकि इससे उसे व्यक्तियों की संचित बचत से लाभ मिलता है। लेकिन यह बचतकर्ताओं और निवेशकों के लिए हतोत्साहित का काम करता है। वर्तमान समय के स्टार्ट–अप गुरुओं और वर्तमान समय के सफल प्रौद्योगिकी सम्राटों पर विचार करें। मृत्यु कर्तव्य पर उनकी क्या प्रतिक्रिया होगी? ऐसे उदाहरण हैं जब मृत्यु कर्तव्य ने बहुत अच्छी तरह से काम नहीं किया है।

ब्रिटेन में विरासत कर या संपत्ति शुल्क था। परिणामस्वरूप, पारंपरिक संपत्तियों का कोई भी मालिक किसी वंशज की मृत्यु के बाद अपनी हिस्सेदारी बरकरार नहीं रख सका। क्रमिक चरणों में ये बचतें गायब हो गयीं।

दिवालिया संपत्ति मालिकों को बचाने के लिए, ब्रिटेन को पुराने परिवारों से संपत्ति लेने के लिए एक राष्ट्रीय ट्रस्ट की स्थापना करनी पड़ी। वे विरासत कर का भुगतान करने के बाद दिवालिया हो गये थे। यह प्रयास सार्थक नहीं था, क्योंकि राजस्व अर्जन संपत्ति शुल्क के प्रशासन के अनुरूप नहीं था। इस देश में, संपत्ति शुल्क का भुगतान करने से बचने के लिए, बड़े जमीन जायदाद के मालिकों ने संपत्ति के स्वामित्व को जारी रखने के लिए कानूनी कल्पनाएं रची थीं। ट्रस्ट पसंदीदा माध्यम थे। हिन्दू अविभाजित परिवारों की भी कुछ उपयोगिता थी। पुराने परिवारों में कुलदेवता के नाम पर ट्रस्ट बनाना भी एक व्यापक प्रथा थी। ज्ञात कर चोरी की ऐसी प्रणाली का नुकसान यह है कि बड़ी सम्पदाएं कानूनी उलझनों में बंद हैं और वर्षों में इनका क्षय हो जाता है। लाभकारी मालिक अब किसी भी रूप में उत्पादक उद्देश्यों के लिए अपनी संपत्ति का उपयोग करने में सक्षम नहीं हैं।

कैसे घबराया साहिब, बात–बात पर डरता है!

चुनाव के तीसरे चरण की ओर बढ़ते हुए, मोदी की भाजपा कुल मिलाकर बचाव की मुद्रा अपनाने पर मजबूर होती नजर आ रही है

चुनाव के तीसरे चरण की ओर बढ़ते हुए, मोदी की भाजपा कुल मिलाकर बचाव की मुद्रा अपनाने पर मजबूर होती नजर आ रही है। यह उसके खुली सांप्रदायिक दुहाई का सहारा लेने के बावजूद है। उसके दुर्भाग्य से बचाव की यह मुद्रा भी काम आती नजर नहीं आ रही है। बेशक, अपनी ओर से कोई कसर न छोड़ते हुए, उसने सीधे आरएसएस को भी प्रत्यक्ष रूप से मैदान में उतरने के लिए तैयार कर लिया है। शुक्रवार, 26 अप्रैल को हुए दूसरे चरण के मतदान ने, संघ–भाजपा की कुशंकाओं की और बाकी सब के इसके व्यापक अनुमानों की पुष्टिङ्क कर दी है कि जिस मोदी लहर का इतना ढोल पीटा जा रहा था, वह तो खैर इस चुनाव में खोजे से भी नहीं मिलेगी, अलबत्ता इस बार मोदी उतार के काफी प्रबल लक्षण हैं। ये लक्षण, 4 जून को मोदी के सत्ता से उतरने तक ले जाएंगे या उससे कुछ पीछे रह जाएंगे या पहले ही रोक दिए जाएंगे, इसके लिए तो बेशक अभी सवा महीने और इंतजार करना पड़ेगा। लेकिन, इस चुनाव में मोदी के उतार पर रहने के जो लक्षण पहले चरण में सामने आये थे, उनकी दूसरे चरण ने पुष्टिङ्क कर दी है। पहले चरण में अगर, 2019 के चुनाव के मुकाबले, 102 सीटों पर हुए मतदान में कुल मिलाकर 4 फीसद वोट की गिरावट देखने को मिली थी, तो दूसरे चरण के मतदान में भी वही रुझान बना रहा है। दूसरे चरण में 13 राज्यों की 88 सीटों पर जो वोट पड़े हैं, उनमें 2019 के चुनाव के मुकाबले 3 फीसद से अधिक गिरावट दर्ज हुई है। इस गिरावट से पहले चरण के बाद से लगाए जा रहे इस अनुमान की पुष्टिङ्क हो गयी है कि मतदान में यह गिरावट, कमो–बेश इस पूरे चुनाव की ही विशेषता रहने जा रही है। जाहिर है कि इस गिरावट के संकेत भी, पूरे चुनाव के लिए ही सच होने चाहिए। दूसरे चरण की 88 सीटों में इस गिरावट में बेशक, केरल में हुई 6.5 की गिरावट भी शामिल है। लेकिन, इस राज्य की 20 सीटों पर मुकाबले से भाजपा को तो एक तरह से बाहर ही माना जा रहा है और इसलिए इसके रुझान से भाजपा की सेहत पर ज्यादा असर नहीं पड़ेगा। पर इस चरण में मत फीसद में यह गिरावट 13 राज्यों में से पूरे 11 में दिखाई दी है। छत्तीसगढ़ और कर्नाटक ही इसका अपवाद रहे हैं और कम से कम कर्नाटक का इस रुझान का अपवाद रहना तो, किसी भी तरह से भाजपा के लिए अच्छी खबर नहीं है। कुछ ही महीने पहले जोरदार तरीके से कांग्रेस के शासन में आये कर्नाटक में, जहां 2019 में भाजपा 28 में से 26 सीटों पर काबिज हो गयी थी, मत फीसद में बढ़ोतरी उसके संसदीय बोलबाले के छीझने का ही संकेत हो सकती है। बहरहाल, भाजपा के लिए इससे भी महत्वपूर्ण संकेत, उसका गढ़ मानी जाने वाली हिंदी पट्टी में मत फीसद में बिहार में 3.5 फीसद, मध्य प्रदेश में 9.1 फीसद, उत्तर प्रदेश में 7 फीसद, राजस्थान में 3.4 फीसद की गिरावट होना है। पहले चरण में भी दर्ज हुई इस गिरावट का दूसरे चरण में भी जारी रहना, इसका स्पष्टङ्क संकेत है कि 2019 के चुनाव में, सबसे बढ़कर पुलवामा और बालाकोट के सहारे, राष्टङ्कवाद के जिस आख्ङ्कयान के बल पर उठाई गई लहर के ज्वार ने भाजपा को तीन सौ पार पहुंचाया था, वह ज्वार कब का उतर कर भाटा बन चुका है और इस बार पूरे चुनाव में भाटा ही बना रहने जा रहा है। यह वही हिंदी पट्ङ्कटी है जहां विपक्ष के नाम पर कांग्रेस को मप्र तथा बिहार में एक–एक सीट और उत्तर प्रदेश में सपा–बसपा का एका होने के बाद भी, उसे 15 तथा कांग्रेस को एक सीट ही मिल पाई थी। उसी हिंदी पट्टी में मतदान में उल्लेखनीय गिरावट, तीसरी बार मोदी सरकार के नारे के प्रति मतदाताओं की उदासीनता से लेकर विमुखता तक का खुला ऐलान कर रही है। जैसा कि अधिकांश राजनीतिक प्रेक्षकों ने दर्ज किया, पहले चरण के मतदान के संकेतों से हुई घबराहट का नतीजा, खुद नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा के अपनी प्रचार कार्यनीति में साफ–साफ दिखाई देने वाला बदलाव कर, खुल्लमखुल्ला सांप्रदायिक अपील को प्रचार केंद्र में लाने के रूप में सामने आया। ङ्क्षहदीभाषी पट्टी में ही राजस्थान में, बांसवाड़ा के अपने कुख्ङ्कयात भाषण से प्रधानमंत्री ने इसकी शुरूआत की, जिसमें कांग्रेस के चुनाव घोषणापत्र तथा उसके तत्कालीन प्रधानमंत्री, मनमोहन सिंह के 2006 के एक भाषण का नाम लेकर, विपक्ष पर गरीब दलितों, आदिवासियों, पिछड़ों की संपत्तियां, विशेष रूप से महिलाओं का सोना तथा मंगलसूत्र तक जब्त करने के मंसूबे बनाने का ही आरोप नहीं लगाया गया, नाम लेकर यह आरोप भी लगाया गया कि वे ये संपत्तियां छीनकर मुसलमानों में यानी ज्यादा बच्चे पैदा करने वालों में, घुसपैठियों में बांटेगी! इस सरासर झूठे दावे और खुली सांप्रदायिक अपील के खिलाफ कांग्रेस समेत अनेक विपक्षी पार्टियों और हजारों आम नागरिकों के भी चुनाव आयोग से शिकायत करने से लेकर, पुलिस से शिकायत करने तक के बावजूद, प्रधानमंत्री मोदी ने पहले और दूसरे चरण के मतदान के बीच के दौर में अपने चुनावी भाषणों में इसी को अपना मुख्ङ्कय राग बनाए रखा है। हां! उन्होंने इतना जरूर किया कि बाद में मुसलमान शब्द का प्रयोग न करने की सावधानी बरतनी शुरू कर दी और उसकी एवज में तुष्टङ्कीकरण के लाभार्थी की संज्ञा का सहारा लेना शुरू कर दिया। बाद में चुनाव आयोग के एक अनोखे फैसले में, इन भाषणों पर शिकायतों के सिलसिले में भाजपा अध्यक्ष, जेपी नड्ङ्कडा को पत्र लिखकर जवाब मांगने के बाद भी, प्रधानमंत्री मोदी ने न अपने झूठ से तौबा की और न सांप्रदायिक दुहाई से।

बहरहाल, इस सब के बावजूद दूसरे चरण के मतदान में, 2019 के मुकाबले पहले चरण की जैसी ही गिरावट ने, खुल्लमखुल्ला सांप्रदायिक दुहाई के इस हथियार के भी भोंथरा साबित होने के अपने स्पष्टङ्क संकेत से साहब की घबराहट और बढ़ा दी है।

आखिर, एक यही तो हथियार है जिसका इस्तेमाल करने में उन्हें महारत हासिल है। बहरहाल, जैसा कि अनेक राजनीतिक प्रेक्षकों ने दर्ज भी किया है, दूसरे चरण के बाद से संघ–भाजपा की कार्यनीति में बदलावों का एक और चक्र शुरू हो चुका है। बेशक, ऐसा नहीं है कि अब कांग्रेस के घोषणापत्र के संबंध में, उसके संपत्ति छीनकर मुसलमानों को बांटने के आरोपों का सांप्रदायिक झूठ छोड़ ही दिया गया है। कतई नहीं। यह झूठ बराबर दोहराया जा रहा है, किंतु थोड़े बदलाव के साथ। दूसरे चरण के लिए प्रचार के आखिर तक आते–आते, इस झूठ में एक नया तत्व जोड़कर, इसे दलितों, आदिवासियों, पिछड़ों यानी हिंदुओं से आरक्षण छीनकर, मुसलमानों को देने के षडयंत्र की दिशा में बढ़ाया जा चुका था। दूसरे चरण के बाद से अब विशेष रूप से इसी के सहारे सांप्रदायिक दुहाई को आगे बढ़ाया जा रहा है।

बहरहाल, यह बदलाव सिर्फ इतना ही नहीं है। इसके साथ एक और तत्व भी जुड़ा हुआ है। ऐसा लगता है कि संघ–भाजपा की मनुवादी/आरक्षणविरोधी प्रकृति तथा उसके जातिगत जनगणना के खिलाफ होने की विपक्ष की आलोचनाओं के संदर्भ में, अबकी बार चार सौ पार का मोदी का नारा, सामाजिक रूप से वंचितों के बीच उल्टा काम कर रहा है। इस चुनाव में भाजपा के कम से कम चार प्रत्याशियों के संविधान बदलने के लिए चार सौ जरूरी होने के अलग–अलग दावों से, कमजोर तबकों की इसकी आशंकाओं को बल मिला है कि चार सौ पार के पीछे मंशा, संविधान को ही बदल देने और आरक्षण को खत्म करने की है। इस जोर पकड़ती धारणा से पीछा छुड़ाने की कोशिश में मोदी के नेतृत्व में भाजपा ने विपक्ष के खिलाफ आरक्षण की चोरी के आरोपों का स्वर ही तेज नहीं कर दिया है, वे बार–बार इसका भरोसा दिला रहे हैं कि खुद संविधान को बदलना तो दूर, जिसमें आरक्षण भी शामिल है, वे तो किसी और को बदलने भी नहीं देंगे। अमित शाह ने मोदी की ओर इसकी मोदी गारंटी देनी शुरू कर दी है। घबराहट इतनी ज्यादा है कि मोदी की सभाओं में चार सौ पार का जिक्र तक गायब हो गया है। इतना ही नहीं, अब तो फिर एक बार मोदी सरकार जैसे सीधे नारों से भी बचा जा रहा है और महाराष्टङ्क में हाल की अपनी चुनाव सभाओं में प्रधानमंत्री मोदी गरीबों की सरकार, दलितों की सरकार, पिछड़ों की सरकार के नारे लगवाते नजर आए! इस बीच विकसित भारत के नारे, पांच ट्रिलियन की अर्थव्यवस्था के दावे और भारत के महाशक्ति बना दिए जाने की शेखियां, सब प्रचार की प्राथमिकताओं में पीछे छूट गए हैं। इस तरह, चुनाव के तीसरे चरण की ओर बढ़ते हुए, मोदी की भाजपा कुल मिलाकर बचाव की मुद्रा अपनाने पर मजबूर होती नजर आ रही है। यह उसके खुली सांप्रदायिक दुहाई का सहारा लेने के बावजूद है। उसके दुर्भाग्य से बचाव की यह मुद्रा भी काम आती नजर नहीं आ रही है। बेशक, अपनी ओर से कोई कसर न छोड़ते हुए, उसने सीधे आरएसएस को भी प्रत्यक्ष रूप से मैदान में उतरने के लिए तैयार कर लिया है और स्वयं आरएसएस सरसंघचालक ने एक बयान जारी कर, इसका ऐलान किया है कि आरएसएस के खिलाफ यह झूठा प्रचार हो रहा है कि वह आरक्षण के खिलाफ है; आरएसएस हमेशा से संविधान–प्रदत्त आरक्षण के पक्ष में रहा है (जो कि सफेद झूठ है) और रहेगा, जब तक कि आरक्षण की जरूरत रहती है। लेकिन, ये सफाइयां भी बहुत असर करती नजर नहीं आ रही हैं। दूसरी ओर, मोदी सम्ङ्कमोहन की धुंध छंटने के साथ, बेकारी, महंगाई से लेकर बढ़ती तानाशाही तथा बढ़ते सामाजिक–धार्मिक विद्वेष की सच्चाइयां, आम जनता की नजरों में ज्यादा से ज्यादा चुभ रही हैं और इसे बढ़ते पैमाने पर लोग स्वर भी दे रहे हैं। इन हालात में, तीसरे चरण में संघ–भाजपा की बदली हुई चुनावी कार्यनीति की विफलता सामने आने के बाद, चुनाव के बीचौ–बीच संघ–भाजपा की घबराहट क्या रूप लेती है, अभी कल्पना करना मुश्किल है। सांप्रदायिक ध्रुवीकरण की चालें काम नहीं कर रही हैं। साहेब घबराया हुआ है। यह दिलचस्प समय है। यह खतरनाक समय भी है।

गोली-बंदूक की दुकान पर प्रचार, 'पाइए मां की गोद जैसा आराम', कारतूस- असलहे का धंधा हुआ मंदा

गोरखपुर। गोली–बंदूक का धंधा चौपट होने से दुकानदारों ने अब उन्हीं दुकानों पर रजाई–गद्दों का साइड बिजनेस भी शुरू कर दिया है। दुकानों का किराया निकालने के लिए दुकानदारों को यह रास्ता चुनना पड़ा है। गोली–बंदूक की दुकानों पर प्रचार के लिए स्लोगन लिखा दिखाई दे–पाइए मां की गोद जैसा आराम... तो चकराएं नहीं।

यह स्लोगन है तो रजाई–गद्दे बनाने वाली कंपनी का, मगर गोली–बंदूक के दुकानदारों को ऐसे ही तमाम स्लोगन पढ़वाकर ग्राहकों को अपना माल बेचने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। दरअसल, गोली–बंदूक का धंधा चौपट होने से दुकानदारों ने अब उन्हीं दुकानों पर रजाई–गद्दों का साइड बिजनेस भी शुरू कर दिया है। दुकानों का किराया निकालने के लिए दुकानदारों को यह रास्ता चुनना पड़ा है। टाउनहॉल स्थित ऐसी कई दुकानों पर रजाई–गद्दे भी बिकते दिखाई देने लगे हैं।

टाउनहॉल स्थित एक बंदूक विक्रेता ने बताया कि पहले एक दिन में कारतूस–बंदूक का लाखों का व्यापार होता था।

लोग पहले से अपनी पसंद की राइफल और पिस्टल बुक कराते थे। इनका नंबर कई महीने बाद आता था। वहीं कारतूस के खरीदार भीड़ लगाए रहते थे।शादी–विवाह में हर्ष फायरिंग के लिए गोलियां खरीदने के लिए लोग पैरवी कराकर आते थे। जब से बंदूक का लाइसेंस बनना बंद हुआ, तबसे दुकानदारों को इस व्यापार से खर्च निकाल पाना मुश्किल हो गया है। इसलिए लोग इसके साथ ही साइड बिजनेस भी कर रहे हैं।

असलहे की दुकान..प्लाट–मकान का काम–धंधा भी

टाउनहॉल पर असलहों की एक दुकान में गोली–बंदूक और रजाई–गद्दे के अलावा प्रॉपर्टी डीलिंग का भी काम हो रहा है।

इस दुकान पर लगे बोर्ड पर लिखा है–जमीन खरीदने व बेचने के लिए संपर्क कर सकते हैं। इसी तरह बक्शीपुर के एक असलहा दुकानदार ने भी साइड बिजनेस शुरू कर दिया है। कई दुकानदार इसके साथ ही पोल्ट्री फॉर्म भी चला रहे हैं। उनका कहना है कि दुकान के भरोसे अब घर का खर्च नहीं चल सकता ।

कई दुकानदार शटर गिराकर घर बैठे

शहर में पहले लाइसेंसी असलहे की 25 दुकानें थीं। वर्तमान में आठ से 10 दुकानें तो हैं, लेकिन क्रियाशील केवल पांच–छह ही हैं, जहां पर असलहे बेचने और उनकी मरम्मत का कार्य होता है। वहीं टाउनहॉल पर ही तीन–चार दुकानों पर गन हाउस का बोर्ड तो दिखता है, लेकिन वह खुलती नहीं हैं। उसका शटर हमेशा गिरा रहता है। दुकानदार बताते हैं कि जो गन हाउस वाले साइड बिजनेस नहीं कर सके, वे घर बैठ गए।

लोग न जमा बंदूक लेने आते, न किराया जमा कराते

राजेश गन हाउस, गणेश गन हाउस, ब्रह्म शस्त्रालय, काजी इंन संस, रॉयल गन हाउस, अमर गन हाउस समेत कई नाम के बोर्ड लगी दुकानें आपको दिख जाएंगी, लेकिन इसमें कुछ ही खुली मिलेंगी। दुकानदारों का कहना है कि लोग कई साल पहले बंदूक जमा करके गए फिर उसे लेने नहीं आए, इससे दुकान भर गई है। ये लोग किराया भी जमा करने नहीं आते हैं। ऐसे में बंदूक पर जंग न लगे, यह भी देखना पड़ता है। प्रशासन को इस दिशा में ठोस कदम उठाना चाहिए, ताकि दुकानों पर जमा बंदूकों का बोझ कम हो।

युवती से दुष्कर्म करने वाले आरोपी के पैर में लगी गोली

गोरखपुर। भोर में युवती गांव में पहुंची थी। वहां घरों का दरवाजा पीटने लगी थी। जब घर से बाहर लोग निकले तब युवती निर्वस्त्र थी। सहजनवा इलाके में युवती से दुष्कर्म के आरोपी ताहिर अली को पुलिस ने मुठभेड़ में दबोचा लिया है। आरोपी के पैर में गोली लगी है, उसे इलाज के लिए जिला अस्पताल भेजा गया है। आरोपी खलीलाबाद का हिस्ट्रीशीटर बताया जा रहा है। पीड़ित द्वारा पुलिस को दो आरोपियों की पहचान बताई गई थी।

मुठभेड़ के दौरान आरोपी के पास से 315 बोर का दो तमंचा 3 खाली कारतूस और एक जिंदा कारतूस बरामद किया है।

पुलिस अब इस आरोपी के जारिए दूसरे अज्ञात आरोपी की पहचान कर गिरफ्तारी का प्रयास कर रही है। मुखबिर खास की सूचना पर सहजनवां थाने और एसओजी की टीम ने इलाके में घेराबंदी की थी। पहचान होने और रोकने पर आरोपी की तरफ से गोली चला दी गई। जवाबी कार्रवाई में एसओजी प्रभारी मनीष यादव की गोली आरोपी के पैर में जा लगी। इस दौरान एसओजी के उपनिरीक्षक राजमंगल सिंह, घनश्याम उपाध्याय, पंकज सिंह, करुणा पति त्रिपाठी, राम इकबाल राव, गोविंद यादव, उदय प्रताप सिंह व अन्य लोग मौजूद रहे।

यह है मामला

सहजनवां इलाके में कल यानी शुक्रवार को आजमगढ़ की युवती से दुष्कर्म का मामला सामने आया था। क्षेत्र के रानूखोर गांव आमी नदी के किनारे आजमगढ़ जिले की युवती जो घर से नाराज होकर निकली थी, उसकी मदद के बहाने युवक ने घटना को अंजाम दिया था।

शुक्रवार की सुबह करीब चार बजे गांव में जाकर युवती ने घटना की जानकारी दी। इसके बाद पुलिस और परिजनों को जानकारी दी थी। युवती के चेहरे व शरीर पर चोट लगने के कारण उपचार के लिए सीएचसी भेजा गया था। पुलिस पिता की तहरीर के आधार पर अज्ञात पर दुष्कर्म का केस दर्ज कर आरोपी की पहचान करने में जुटी गई थी।

गांव में जाकर दरवाजा पीटने लगी युवती

भोर में युवती गांव में पहुंची थी। वहां घरों का दरवाजा पीटने लगी थी। जब घर से बाहर लोग निकले तब युवती निर्वस्त्र थी। उसके चेहरे व शरीर पर खरोच के निशान थे। लोगों ने युवती को कपड़े दिए। ग्रामीणों ने तत्काल पुलिस व युवती द्वारा बताए गये परिजनों के नंबर पर सूचना दी थी।

भूमाफिया कमलेश का बाराबंकी में चार मंजिला मकान व भूमि जब्त, 100 करोड़ की सम्पत्ति हो चुकी है कुर्क

एम्स थाना क्षेत्र के बहरामपुर अहिरवती टोला निवासी कमलेश यादव और कुसम्ही बाजार निवासी दीनानाथ ने 11 साल में जालसाजी की कमाई से अकूत सम्पत्ति बनाई है। इनके खिलाफ मुकदमा दर्ज होने के बाद जब इनकी करतूत सामने आई तो पुलिस भी दंग रह गई। उन्होंने जितनी जमीन खरीदी उससे दोगुनी लोगों को बेच कर कब्जा कराकर मकान बनवा दिया।

संवाददाता, गोरखपुर। भूमाफिया कमलेश यादव की बाराबंकी में स्थित चार मंजिला मकान व भूमि को स्थानीय जिला प्रशासन ने गुरुवार को जब्त किया। गोरखपुर के एसएसपी डा. गौरव ग्रोवर ने इस मामले में डीएम बाराबंकी से बात करने के साथ ही कार्रवाई के लिए पत्र लिखा था।डीएम बाराबंकी ने इसका संज्ञान लेकर कार्रवाई के लिए टीम गठित की थी।

एम्स थाना क्षेत्र के बहरामपुर अहिरवती टोला निवासी कमलेश यादव और कुसम्ही बाजार निवासी दीनानाथ ने 11 साल में जालसाजी की कमाई से अकूत सम्पत्ति बनाई है। इनके खिलाफ मुकदमा दर्ज होने के बाद जब इनकी करतूत सामने आई तो पुलिस भी दंग रह गई। उन्होंने जितनी जमीन खरीदी उससे दोगुनी लोगों को बेच कर कब्जा कराकर मकान बनवा दिया। बाद में पता चला कि यह भूमि सीलिंग की है। खरीदारों की शिकायत पर दोनों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज करने के साथ ही पुलिस ने गैंगस्टर एक्ट की कार्रवाई कर 100 करोड़ से अधिक से अधिक की संपत्ति जब्त की। जांच में पता चला कि गैंगस्टर के आरोपित भू–माफिया कमलेश और दीनानाथ ने बाराबंकी में भी संपत्ति अर्जित की है। एसएसपी ने देवा तहसील क्षेत्र में स्थित चार मंजिला मकान को गैंगस्टर एक्ट में जब्त करने के लिए बाराबंकी के डीएम को पत्र लिखा था।

तीन माह से चल रही कवायद के बाद गुरुवार को डीएम ने तहसील व स्थानीय थाने की टीम गठित कर कमलेश यादव के मकान को जब्त कराया। इस मकान के निचले तल पर बैंक चलता है जिसके प्रबंधक ने कमरा खाली करने के लिए समय मांगा है।

भूमाफिया ने हड़पी जीवन भर की कमाई

भूमाफिया कमलेश यादव व उसके साथी दीनानाथ प्रजापति ने दो दर्जन से अधिक लोगों के जीवन भर की कमाई हड़प ली है। सीलिंग व दूसरे की भूमि पर कब्जा मिलने के बाद इन लोगों ने मकान बनवा लिया है। जिनकी भूमि है वह खाली करने का दबाव बना रहे हैं।

जिसको लेकर पीड़ित परिवार परेशान हैं,इसमें अधिकांश लोग बिहार के गोपालगंज जिले के रहने वाले हैं।

गोरखपुर विश्वविद्यालय की 1000 पीएचडी सीटों पर होगा प्रवेश, पार्ट टाइम वालों को मिलेगी यह खास सुविधा

गोरखपुर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. पूनम टंडन ने कहा कि विश्वविद्यालय अगले सप्ताह पीएचडी में प्रवेश की प्रक्रिया शुरू करने जा रहा है। करीब 1000 सीटों के सापेक्ष पीएचडी में प्रवेश लिए जाने हैं। इनमें नियमित व अशंकालिक दोनों तरह के शोधार्थी शामिल होंगे। कालेजो के शिक्षकों को शोध–निर्देशक बनाने से इस बार पीएचडी प्रवेश का दायरा बढ़ेगा।

संवाददाता, गोरखपुर। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय सत्र 2023–24 की लंबित पीएचडी प्रवेश प्रक्रिया शुरू करने जा रहा है। इस सत्र में विश्वविद्यालय पीएचडी की करीब 1000 सीटों के लिए शोधार्थियों का चयन करेगा। इनमें 800 नियमित सीटें और 200 के करीब पार्ट टाइम पीएचडी सीटें शामिल हैं। नियमित सीटों पर प्रवेश के लिए परीक्षा आयोजित की जाएगी जबकि अंशकालिक पीएचडी में प्रवेश निर्धारित मानक पर सीधे लिया जाएगा। विश्वविद्यालय इसके लिए अपनी तैयारी पूरी कर ली है। अगले सप्ताह आवेदन आमंत्रित करने की तैयारी है।

सीटों के निर्धारण के लिए विश्वविद्यालय प्रशासन ने सभी विभागों से रिक्त सीटों की संख्या मंगा ली है। इस आधार पर ही करीब 1000 रिक्त सीटों का निर्धारण हुआ है, जिन पर प्रवेश लिया जाना है। प्रवेश प्रक्रिया नए पीएचडी अध्यादेश के आधार पर सम्पन्न होगी, जिसे बीते महीने ही कुलाधिपति की स्वीकृति प्राप्त हुई है।

पहली पर विश्वविद्यालय कालेज के स्नातक शिक्षकों को शोध निर्देशक बनने का अवसर देने जा रहा है। कालेजों के जिन शिक्षकों को शोध–निर्देशक बनाया जाना है, उनकी सूची तैयार कर ली गई है। ऐसे शोधार्थी, जिनके शोध–निर्देश कालेज शिक्षक होंगे, वह भी विश्वविद्यालय के ही छात्र होंगे।

उन्हें शोध–निर्देशक की वजह से कालेजों का शोधार्थी नहीं माना जाएगा। यह व्यवस्था कालेज में शोध का इंतजाम न होने की वजह से की जा रही है। इस बार संविदा शिक्षकों को भी सह–निर्देशक बनाया जाएगा। इस बार प्रवेश से लेकर पीएचडी प्रस्तुत करने तक की पूरी प्रक्रिया आनलाइन रहेगी।

यूपी में सामूहिक दुष्कर्म के आरोपित का एनकाउंटर

संवाददाता, गोरखपुर। आजमगढ़ जिले की रहने वाली युवती से सामूहिक दुष्कर्म हुआ था। सहजनवा थाना पुलिस और क्राइम ब्रांच की टीम ने शनिवार की सुबह मुठभेड़ में संतकबीरनगर जिले के रहने वाले एक आरोपित को गिरफ्तार किया। दांये पैर में गोली लगने से घायल हुए आरोपित को बीआरडी मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है।

एसपी नार्थ जितेंद्र कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि आजमगढ़ के जीयनपुर इलाके की रहने वाली 20 वर्षीय युवती गुरुवार की सुबह सात बजे के करीब नाराज होकर घर से निकल गई। परिजन उसकी खोजबीन कर रहे थे कि इसी बीच रास्ते में युवती को संतकबीरनगर जिले के ट्यूबेल कालोनी, मोतीनगर का रहने वाला ताहिर अली मिला। नौकरी दिलाने का झांसा देकर युवती को बस में बैठाकर ताहिर गोरखपुर रोड पर ले आया।

रात में खिला दिया नशीला पदार्थ

रात में युवक ने कुछ नशीला पदार्थ खिला दिया। उसके बाद अपने एक साथी को बुलाकर युवती को सहजनवा क्षेत्र में नदी के किनारे जंगल में ले जाकर दोनों ने दुष्कर्म किया। भोर में पीड़ित युवती ने पड़ोस के गांव में पहुंचकर स्थानीय लोगों को घटना की जानकारी दी। युवती के शरीर पर चोट के निशान थे।

सहजनवा थाना पुलिस को मामले की जानकारी हुई तो युवती को थाने ले आयी और उसके स्वजन को बताया। तहरीर के आधार पर सामूहिक दुष्कर्म का मुकदमा दर्ज कर आरोपितों की तलाश चल रही थी। सर्विलांस की मदद से क्राइम ब्रांच और सहजनवा थाने की पुलिस ने शनिवार की भोर में मुख्य आरोपित ताहिर को सहजनवा क्षेत्र में घेर लिया। पुलिस टीम पर वह फायरिंग कर भागने लगा। जवाबी कार्रवाई में उसके दाएं पैर में गोली लग गई जिसके बाद पुलिस ने गिरफ्तार कर बीआरडी मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया। ताहिर के पास से 315 बोर का एक तमंचा, तीन कारतूस का खोखा और एक जिंदा कारतूस बरामद हुआ है। घटना में शामिल दूसरे आरोपित की तलाश चल रही है।

100 साल में इस दर से बढ़ रहा तापमान

सबसे गर्म पांच साल

अब तक 1941 में 0.908 डिग्री, 1958 में 0.719 डिग्री, 2010 में 0.639 डिग्री और 1953 में 0.635 डिग्री व 1921 में 0.57 डिग्री सेल्सियस अधिकतम तापमान में बढ़ोतरी का ट्रेंड देखा गया है।

लखनऊ। मौसम विभाग के अध्ययन में सामने आया है कि प्रदेश का तापमान लगातार बढ़ रहा है जबकि नदियां–झीलें सूख रही हैं। वहीं, बरसात में भी कमी आई है। यूपी लगातार गर्म हो रहा है। प्रदेश का अधिकतम तापमान 0.27 डिग्री सेल्सियस प्रति शताब्दी की दर से बढ़ रहा है। बीते 100 सालों में मौसम विभाग द्वारा किए गए अध्ययन से ये सच सामने आया है। लू के दिनों की बढ़ती संख्या, पारे में उतार–चढ़ाव पर लखनऊ मौसम केंद्र के वैज्ञानिक लगातार नजर रखे हुए हैं। वरिष्ठ मौसम वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह बताते हैं कि अध्ययन के अनुसार 1901 से 2022 के बीच उत्तर प्रदेश में औसत तापमान में 0.13 डिग्री सेल्सियस प्रति शताब्दी की दर से उत्तरोत्तर वृद्धि दर्ज हो रही है। जबकि अधिकतम तापमान दोगुनी दर 0.27 डिग्री सेल्सियस की दर से बढ़ा है। राहत बस इतनी है कि न्यूनतम तापमान में बहुत ज्यादा बदलाव नहीं है। इसमें 0.01 डिग्री सेल्सियस की गिरावट हुई है। इसके अलावा वर्षा में भी गिरावट हो रही है। यद्यपि वार्षिक एवं मानसूनी बरसात में 20वीं सदी में कोई विशेष परिवर्तन नहीं हुआ, लेकिन सामान्य बरसात की बात करें तो 2000 से इसमें गिरावट का ट्रेंड रहा है। 1961 से 1990 के बीच बरसात के मुख्य महीनों (जुलाई से अगस्त) के दौरान जहां औसतन 300 मिमी बारिश हुई है, वहीं 1990 से 2000 के बीच यह घटकर 250 से कुछ अधिक ही रह गई है।

सूख रहीं नदियां–झीलें

बीते 100 सालों में मौसम विभाग द्वारा किए गए अध्ययन में प्रदेश के तापमान बढ़ने का सच सामने आया है। तापमान और प्रदूषण में गंभीर वृद्धि के कारण मध्य गंगा के मैदानी इलाकों में झीलें और जल स्रोत सूख रहे हैं। बीरबल साहनी इंस्टीट्यूट ऑफ पैलियोसाइंसेज लखनऊ के वैज्ञानिकों की अध्ययन टीम में शामिल डॉ. बिनीता फर्तियाल, डॉ. बिस्वजीत ठाकुर, डॉ. अनुपम शर्मा और डॉ. स्वाति त्रिपाठी के मुताबिक ये अध्ययन गोरखपुर, बलिया, मऊ और प्रतापगढ़ जिले में किया गया। इसमें पाया गया कि गर्म मौसम व पश्चिमी विक्षोभ के विस्तार के कारण वर्षा का पैटर्न बदला है। डॉ. स्वाति बताती हैं हमने मिट्टी के नमूने लेकर जांच की। उनमें फंगल की अधिकता पाई गई, जिसके कारण परागकण नष्ट हो रहे हैं। ये इस बात का संकेत हैं कि नदी–झीलों का जलस्तर घट रहा है, इन्हें संरक्षित करने की जरूरत है।

औद्योगिक गतिविधियां बढ़ने से बढ़ा पीपीएम

वरिष्ठ वैज्ञानिक सीएम नौटियाल के मुताबिक, अमेरिका का नेशनल ओशन एंड एटमोस्फेरिक एंड मिनिस्ट्रेशन कार्बन डाइऑक्साइड जैसी गैसों के परिवर्तन पर नजर रखे हैं। उनके निष्कर्ष ये बता रहे हैं कि 200 से भी कम वर्षों में औद्योगीकरण बढ़ने से पीपीएम यानी पाट्र्स पर मिलियन में डेढ़ गुना वृद्धि हुई है। प्रमुख कारण है कोयले एवं हाइड्रोकार्बन का जलाया जाना है। कृषि की गतिविधियों में मीथेन निकलती है।

लखनऊ। लोकसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी को मात देने के लिए भाजपा मुलायम सिंह यादव का चरखा दांव आजमा रही है। पढ़ें क्या है चरखा दांव? इस दफा सियासी अखाड़े में दांव बदल गया है। भाजपा समाजवादी पार्टी को शिकस्त देने के लिए मुलायम सिंह का चरखा दांव लगा रही है। पार्टी को घेरने की शुरुआत भाजपा ने फरवरी में मुलायम के पहले दांव से कर दी थी। अब तोड़ निकालने में अखिलेश यादव को खासी मशक्कत करनी पड़ रही है।

सियासत में मुलायम का चरखा दांव अचूक साबित रहा है। इसके बूते वह बड़े फेरबदल कर सत्ता पर काबिज होते रहे। वह नहीं रहे तो दांव बदल गया। उन्होंने पहला बड़ा दांव 1989 में चला था। मामला सूबे के सीएम का था। पार्टी नेतृत्व की पसंद अजित सिंह थे। मुलायम सिंह ने गुप्त मतदान में पार्टी के विधायकों को साध लिया। वह सीएम बन गए। भाजपा ने सधी रणनीति से इस दांव को पहली बार राज्यसभा के चुनाव में आजमाया। दांव कामयाब रहा। सपा के सात विधायकों ने पाला बदलकर भाजपा के पक्ष में वोट डाला। इनमें मनोज पांडेय, राकेश पांडेय, राकेश प्रताप सिंह, अभय सिंह, विनोद चतुर्वेदी सामान्य जाति से, पूजा पाल पिछड़ा वर्ग और आशुतोष मौर्य अनुसूचित जाति से हैं।

पिछड़ी जाति से महाराजी प्रजापति पहुंचीं ही नहीं। वह पूर्व मंत्री गायत्री प्रजापति की पत्नी हैं। इससे सपा को तगड़ा झटका लगा। सपा के पूर्व विधायकों, ब्लॉक प्रमुखों, जिला पंचायत सदस्यों, जिला पंचायत अध्यक्षों, निकायों के पूर्व व वर्तमान चेयरमैन को भी भाजपा तोड़ रही है। सियासी जानकारों के मुताबिक इनकी जमीनी पकड़ मजबूत होने से सपा को तगड़ा नुकसान हो सकता है।

मुलायम ने अपने धुर विरोधियों को साधा था

मुलायम सिंह ने धुर विरोधियों को भी साथ लेने में कभी परहेज नहीं किया। कांशीराम के उभार के दौरान उन्होंने उनसे समझौता कर लिया। यह 1993 में उनके फिर से प्रदेश की सत्ता में काबिज होने का जरिया बना। 2009 के लोकसभा चुनाव में मुलायम ने कल्याण सिंह से हाथ मिला लिया था। यह दोनों फैसले उन चरखा दांव का हिस्सा थे।

इधर राजभर की वापसी और जयंत का साथ

भाजपा ने इसे भी आजमाया। अखिलेश के साथ रहे फिर नाराज हुए सुभासपा के ओमप्रकाश राजभर को चुनाव से पहले मंत्री पद से नवाज दिया। पश्चिमी बेल्ट को मजबूत करने अखिलेश के साथ विधानसभा चुनाव लड़ने वाले रालोद के जयंत को भी तोड़ लिया।

मुलायम कड़े फैसले लेते थे, यहां भी नेतृत्व खरा–खरा

मुलायम कड़े फैसलों के पक्षधर रहे। 1999 में सोनिया गांधी का प्रधानमंत्री बनना लगभग तय था। तभी उनके विदेशी मूल का मुद्दा गरमाने लगा। कांग्रेस के समर्थन पत्र में सपा का नाम भी था। मुलायम ने समर्थन नहीं किया। इस बार भाजपा नेतृत्व भी फैसलों को लेकर खरा रहा। अखिलेश को घेरने के लिए मौजूदा सांसदों के टिकट पर कैंची चला दी।

ये है पहलवानी का चरखा दांव

चरखा दांव में पहलवान विपक्षी की गर्दन और पैरों को एक ही वक्त में काबू कर लेता है। एक हाथ से गर्दन को उल्टा दबाया जाता है, तो दूसरे से पैर गर्दन की ओर खींचे जाते हैं। इससे विपक्षी सूत कातने वाले चरखे के पहिए की तरह गोल हो जाता है। इसी मुद्रा में उसे लॉक कर दिया जाता है।

कैसरगंज से भाजपा ने बृजभूषण को टिकट दिया तो सपा इन पर खेल सकती है दांव

यह पहलवान भाजपा के सांसद बृजभूषण सिंह पर यौन उत्पीड़न के आरोप लगाने वालों में शामिल रही हैं। हालांकि, सपा नेतृत्व को इस सीट पर अभी भाजपा के पत्ते खुलने का इंतजार है। बसपा ने भी कैसरगंज से अपना प्रत्याशी अभी तक नहीं दिया है।

लखनऊ। यूपी की कैसरगंज सीट पर अभी तक बड़े दलों ने पत्ते नहीं खोले हैं। भाजपा, सपा और बसपा के प्रत्याशी का इंतजार है। ऐसे में सपा ने रणनीति तैयार की है, अगर भाजपा बृजभूषण को टिकट देगी तो सपा भी महिला पहलवान को मैदान में उतारेगी।

समाजवादी पार्टी कैसरगंज से एक आंदोलनकारी महिला पहलवान को उतारने की तैयारी कर रही है। यह पहलवान भाजपा के सांसद बृजभूषण सिंह पर यौन उत्पीड़न के आरोप लगाने वालों में शामिल रही हैं। हालांकि, सपा नेतृत्व को इस सीट पर अभी भाजपा के पत्ते खुलने का इंतजार है। बसपा ने भी कैसरगंज से अपना प्रत्याशी अभी तक नहीं दिया है।

कैसरगंज में चुनाव पांचवें चरण में है। यहां नामांकन की अंतिम तिथि 3 मई है। यहां से चर्चित सांसद बृजभूषण शरण सिंह के चलते इस सीट पर सभी पार्टियों की नजर है। बहरहाल बृजभूषण चुनाव लड़ने पर अड़े हुए हैं, पर भाजपा उनको टिकट देकर कोई खतरा मोल नहीं लेना चाहती है।

उन पर देश की जानी–मानी महिला पहलवानों ने गंभीर आरोप लगाए हैं, जिसके चलते बृजभूषण को कुश्ती महासंघ के अध्यक्ष पद से इस्तीफा भी देना पड़ा था। इस मामले में उनके खिलाफ केस भी चल रहा है। बृजभूषण ने दिल्ली की अदालत में मामले की नए सिरे से जांच कराने के लिए याचिका दायर की थी, जो खारिज हो चुकी है। ऐसे में उन पर यौन उत्पीड़न केस के आरोप तय करने का रास्ता साफ हो गया है। बताते हैं कि इन्हीं सब स्थितियों के चलते भाजपा अब तक इस सीट पर अपने प्रत्याशी के बारे में निर्णय नहीं ले पाई है। सपा सूत्रों का कहना है कि अगर भाजपा ने बृजभूषण शरण सिंह को टिकट दिया, तो उनकी पार्टी आंदोलनकारी पहलवान को यहां के 'रण' में उतारेगी। इसके लिए रणनीति तैयार कर ली गई है। सपा का टिकट घोषित होने में देरी का कारण भी यही है कि पहले भाजपा का प्रत्याशी घोषित हो जाए।

देहरादून। उत्तराखंड बोर्ड कक्षा 10वीं और 12वीं के करीब 2 लाख छात्रों का इंतजार आखिरकार खत्म हुआ। उत्तराखंड बोर्ड ने कक्षा 10वीं और 12वीं के परिणाम घोषित कर दिए हैं। 10वीं में 89.14 बच्चे पास हुए हैं। 10वीं में प्रियांशी रावत नें टॉप किया है और 12वीं के टॉपर पीयूष खोलिया रहें।इस साल किन छात्रों ने किया टॉप। इस साल गंगोलीहाट की छात्रा प्रियांशी रावत ने हाईस्कूल में शत प्रतिशत अंक के साथ सर्वोच्च अंक हासिल किया है। प्रियांशी ने पांच सौ में से उल्लेखनीय पांच सौ अंक प्राप्त किए हैं।

प्रथम श्रेणी में कुल 40.84 प्रतिशत छात्र

प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण परीक्षार्थियों की संख्या 37,581 रही, जोकि कुल 40.84 प्रतिशत है।

द्वितीय श्रेणी में उत्तीर्ण परीक्षार्थियों की संख्या 27,607 है, जोकि कुल 30.00 प्रतिशत है।

तृतीय श्रेणी में उत्तीर्ण परीक्षार्थियों की संख्या 226 है, जोकि कुल 0.24 प्रतिशत है।इस साल इन छात्रों ने किया टॉप

इस साल अल्मोड़ा के पीयूष खोलिया और नैनीताल की कंचन जोशी ने टॉप किया है। कंचन जोशी को इंटरमीडिएट परीक्षा में 500 में से 488 अंक हासिल हुए है। 97.60 प्रतिशत स्कोर रहा है।

गजब–निर्माण निगम के अफसर ने खुद चोरी कराई थी अपनी आडी, बीमा क्लेम पाने के लिए रची थी साजिश

लखनऊ। निर्माण निगम के अफसर ने गाड़ी बेचने की भी कोशिश की थी लेकिन कोई भी 10–15 लाख रुपये से ज्यादा देने के लिए तैयार नहीं था जिसके बाद बीमा क्लेम पाने के लिए चोरी की साजिश रची। निर्माण निगम में तैनात अधिकारी अंकुर श्रीवास्तव की ऑडी कार चोरी नहीं हुई थी। अंकुर ने ही इसे अपने साथी संग मिलकर गायब कर दिया था। वह गाड़ी चोरी दिखाकर बीमा कंपनी से क्लेम हासिल करना चाहते थे। मंगलवार को पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार कर गाड़ी बरामद कर ली। उनके साथी दिल्ली निवासी गैराज मालिक की तलाश जारी है।

पारा के विक्रमनगर का अंकुर श्रीवास्तव विभूतिखंड स्थित निर्माण निगम में ग्रेड–2 अधिकारी हैं। 30 अप्रैल को उन्होंने पुलिस को सूचना दी कि उनके दफ्तर के बाहर से खड़ी उनकी ऑडी गाड़ी शाम चार बजे चोरी हो गई। पुलिस ने चोरी का केस दर्ज कर छानबीन की तो पता चला कि गाड़ी चोरी का जो समय बताया गया वो गलत था। सीसीटीवी कैमरे में एक युवक बड़े आराम से उनकी ऑडी गाड़ी ले जाते दिखा।

इसके बाद पुलिस ने 150 के करीब सीसीटीवी कैमरे चेक किए और सर्विलांस की मदद ली तो अंकुर के एक साथी दिल्ली निवासी मोटर वर्कशाप मालिक हितेश के बारे में पता चला। अंकुर के दफ्तर से हितेश गाड़ी ले जाते दिखा था। पुलिस ने जब हितेश के बारे में जानकारी जुटाई तो पता चला कि अंकुर की गाड़ी का 2019 में एक्सीडेंट हो गया था। हितेश ने ही उनकी गाड़ी ठीक की थी। मंगलवार को पुलिस ने अंकुर को पारा इलाके से ऑडी के साथ दबोच लिया। वह गाड़ी से दिल्ली जा रहे थे। पुलिस ने अंकुर और हितेश के खिलाफ केस दर्ज किया है। पूछताछ में अंकुर ने बताया कि उन्होंने कार चोरी की झूठी एफआईआर दर्ज कराई थी।

इसलिए रची साजिश

इंस्पेक्टर विभूतिखंड सुनील कुमार सिंह ने बताया कि अंकुर निर्माण निगम में नौकरी से पहले ज्वेलरी का काम करते थे। वर्ष 2017 में उन्होंने ऑडी गाड़ी खरीदी थी। वर्ष 2019 में हजरतगंज भैसाकुंड के पास उनकी गाड़ी का एक्सीडेंट हो गया था। तब उन्होंने हितेश से कार सही कराई थी। इसके बाद से गाड़ी में आए दिन कोई न कोई दिक्कत आने लगी। अंकुर ने गाड़ी बेचने की सोची, लेकिन एक्सीडेंटल होने की वजह से कोई भी व्यक्ति 10 से 15 लाख से अधिक नहीं दे रहा था, जबकि गाड़ी की मौजूदा कीमत 40 लाख रुपये थी। इस पर अंकुर ने हितेश से बात की तो उसने गाड़ी चोरी की झूठी एफआईआर दर्ज कराकर क्लेम हासिल करने की राय दी।

एलडीए के तीन अफसरों पर मुकदमा दर्ज

किसी की रजिस्ट्री किसी के नाम करने पर कार्रवाई

लखनऊ। किसी की रजिस्ट्री किसी के नाम करने पर कार्रवाई करते हुए एलडीए के तीन अफसरों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। मामले में आठ अन्य पर भी केस दर्ज किया गया है। किसी की जमीन किसी के नाम करने पर एलडीए के तीन अफसरों पर केस दर्ज कराया गया है। वजीरगंज थाने में दर्ज रिपोर्ट में जमीन की खरीद–फरोख्त करने वाले, गवाही देने वाले 9 और लोगों के भी नाम हैं।

17 फरवरी 2024 को सॉफ्टवेयर इंजीनियर अजय सिंह ने विभूतिखंड थाने में एफआईआर दर्ज कराई थी। आरोप था कि शिवानी सिंह व अन्य आरोपियों ने अजय के प्लॉट पर कब्जा करने का प्रयास किया।

विवेचना में शिवानी सिंह के नाम पर की गई रजिस्ट्री फर्जी मिली? उसे जमीन बेचने वाले राजकुमार की भी रजिस्ट्री फर्जी निकली। संयुक्त पुलिस आयुक्त कानून व्यवस्था उपेंद्र अग्रवाल ने रजिस्ट्रार कार्यालय को पत्र लिखकर जांच कराकर कार्रवाई करने को कहा था। जांच में पांच रजिस्ट्री फर्जी मिलीं तो केस दर्ज कराया गया।

पांच मामलों में इन पर रिपोर्ट

उप निबंधक द्वितीय प्रभाष सिंह ने चार फर्जी रजिस्ट्री को लेकर केस दर्ज कराया है। इसमें एलडीए प्रभारी अधिकारी अनीता श्रीवास्तव, अनुभाग अधिकारी एबी तिवारी, एलडीए के ही आरके मिश्र के अलावा निशातगंज के सिद्घार्थ बाजपेयी, गोमतीनगर के योगेंद्र नारायण, राधा मोहन शर्मा व बाराबंकी के जानकी प्रसाद नामजद आरोपी हैं। उप निबंधक द्वितीय राजेंद्र पांडेय की ओर से दर्ज कराए गए केस में बाराबंकी के दिगंबर सिंह, शत्रोहन लाल, रामपाल व अन्य अज्ञात आरोपी हैं। दर्ज कराई गई दो एफआईआर में धोखाधड़ी, कूटरचित दस्तावेज तैयार कर इस्तेमाल करने की धारा लगाई गई है।

विरासत, बगावत और चुनावी अदावत तीसरे चरण के चुनावी रण में सूरमाओं का समर

2024 उत्तर प्रदेश में लोकसभा चुनाव के तीसरे चरण में कई तरह के रंग देखने को मिल रहे हैं। यह चरण राजनीतिक विरासत को आगे बढ़ाने की जद्दोजहद का गवाह बन रहा है तो इसमें बगावती तेवर की आंच भी महसूस की जा रही है। तीसरा चरण यादव परिवार के एक और कुलभूषण के चुनावी समर में पहली बार उतरने का साक्षी बना है।

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में लोकसभा चुनाव के तीसरे चरण में कई तरह के रंग देखने को मिल रहे हैं। यह चरण राजनीतिक विरासत को आगे बढ़ाने की जद्दोजहद का गवाह बन रहा है तो इसमें बगावती तेवर की आंच भी महसूस की जा रही है। इस चरण में चुनावी अदावत भी देखने को मिली है।

राजनीतिक विरासत आगे बढ़ाने को बुना ताना बाना

तीसरा चरण यादव परिवार के एक और कुलभूषण के चुनावी समर में पहली बार उतरने का साक्षी बना है और इसकी अंतर्कथा भी रोचक है। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने बदायूं सीट से यूं तो अपने चाचा और जसवंतनगर के विधायक शिवपाल सिंह यादव को प्रत्याशी बनाया था। शिवपाल ठहरे राजनीति के चतुर खिलाड़ी। उन्हें अपने पुत्र आदित्य यादव के राजनीतिक करियर की लांचिंग के लिए यह अवसर माकूल लगा। पुत्र के राजनीतिक करियर की उड़ान के लिए बदायूं को लांच पैड के तौर पर इस्तेमाल करने के लिए महीन ताना बाना बुना गया। प्रत्याशी घोषित किए जाने के बाद उन्होंने स्वयं को पीछे कर लिया।

बदायूं की सपा इकाई ने इस सीट से संसद में युवा प्रतिनिधि के तौर पर भेजने के लिए आदित्य को उम्मीदवार बनाए जाने की पार्टी नेतृत्व से मांग की। अब आदित्य यहां साइकिल पर सवार हैं और शिवपाल अपने पुत्र के राजनीतिक सफर के धमाकेदार आगाज के लिए एड़ी–चोटी का जोर लगा रहे हैं। राजनीतिक विरासत को आगे बढ़ाने के लिए आदित्य यदि पहली बार चुनावी जंग में कूदे हैं तो तीसरे चरण में कुछ और प्रत्याशी ऐसे हैं जो परिवार की सियासी धरोहर को संजोए रखने के लिए दूसरी या तीसरी बार मैदान में हैं।

सपा संस्थापक मुलायम सिंह यादव की बहू डिंपल यादव पर मैनपुरी सीट पर ससुर की राजनीतिक विरासत को संभालने के बाद अब उसे बरकरार रखने की चुनौती है। वहीं पूर्व मुख्यमंत्री कल्याण सिंह के पुत्र राजवीर सिंह एटा सीट पर अपने परिवार का सियासी दबदबा जारी रखने के लिए जीत की तिकड़ी लगाने के इरादे से फिर मैदान में हैं। सपा के प्रमुख राष्ट्रीय महासचिव रामगोपाल यादव के पुत्र अक्षय यादव फिरोजाबाद सीट पर अपनी, पार्टी व यादव परिवार की खोई हुई प्रतिष्ठा को फिर पाने के लिए संघर्षरत हैं। संभल सीट पर कुंदरकी के सपा विधायक जियाउर्रहमान बर्क अपने मरहूम दादा शफीकुर्रहमान बर्क की विरासत को थामने के लिए चुनावी रण में उतरे हैं।

बगावती सुर से फतेहपुर सीकरी का संग्राम रोचक

तीसरे चरण में बगावती तेवर भी अख्तियार किए जा रहे हैं। फतेहपुर सीकरी सीट पर भाजपा बगावत से जूझ रही है। यहां भाजपा सांसद और पार्टी प्रत्याशी राजकुमार चाहर के सामने पार्टी के स्थानीय विधायक चौधरी बाबू लाल के पुत्र रामेश्वर चौधरी निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में सीना ताने खड़े हैं। चाहर और चौधरी दोनों जाट बिरादरी से हैं। वर्ष 2014 के लोकसभा चुनाव में फतेहपुर सीकरी सीट से चौधरी बाबूलाल भाजपा सांसद निर्वाचित हुए थे, लेकिन 2019 में पार्टी ने उनका टिकट काटकर राजकुमार चाहर को मैदान में उतारा था। यहीं से दोनों के बीच ठन गई। चाहर ने 4.95 लाख के बड़े अंतर से मैदान मार लिया। 2024 में जब पार्टी ने उन्हें दोबारा चुनाव मैदान में उतारा तो उनके सामने रामेश्वर चौधरी आ डटे। अतीत में मथुरा और आगरा सीटों से चुनाव लड़कर रामेश्वर चौधरी ठीक–ठाक वोट पा चुके हैं। सीकरी सीट से उठे बगावती सुर ने यहां मुकाबला रोचक बना दिया है।

कौन असली, कौन नकली

तीसरे चरण में चुनावी अदावत भी अनोखे अंदाज में सामने आई है। इस चरण में आंवला सीट पर चुनावी प्रतिस्पर्धा मुकदमेबाजी में तब्दील हो गई है। आंवला सीट पर बसपा उम्मीदवार आबिद अली ने सपा प्रत्याशी नीरज मौर्य पर शाहजहांपुर निवासी सत्यवीर सिंह का फर्जी तरीके से बसपा प्रत्याशी के रूप में नामांकन करवाने का आरोप लगाते हुए दोनों के विरुद्ध एफआईआर दर्ज कराई है। इस प्रकरण में बसपा के दो प्रत्याशियों की ओर से नामांकन कराए जाने के बाद दोनों पर्चे खारिज कर दिए गए थे। पर्चा खारिज होने पर आबिद अली फूट–फूट कर रोए थे। दिल्ली तक हड़कंप मचा और बसपा सुप्रीमो मायावती को वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिये निर्वाचन मशीनरी को बताना पड़ा कि आबिद अली ही अधिकृत बसपा प्रत्याशी हैं।

गंगवार की खड़ाऊं लेकर मैदान में उतरे गंगवार

भाजपा के दिवंगत नेता लालजी टंडन जब 2009 में पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के संसदीय क्षेत्र लखनऊ से चुनाव लड़े थे तो वह मतदाताओं से कहते थे कि 'अटल जी की खड़ाऊं लेकर आपके बीच आया हूं'। कुछ ऐसी ही परिस्थिति बरेली सीट पर बनी है जहां आठ बार के सांसद संतोष गंगवार की जगह भाजपा ने पूर्व राज्य मंत्री छत्रपाल गंगवार को उतारा है। छत्रपाल अब संतोष गंगवार की छाया में यहां चुनाव लड़ रहे हैं।

यूपी की इन तीन सीटों पर प्रत्याशियों के चयन में उलझी समाजवादी पार्टी

लखनऊ। समाजवादी पार्टी तीन सीटों के प्रत्याशियों के चयन में उलझ गई है। यह सीटें कैसरगंज, फतेहपुर व राबट्र्सगंज हैं। इनमें अभी तक सपा अपने प्रत्याशियों का चयन नहीं कर पाई है। कैसरगंज व फतेहपुर लोकसभा सीट में तो पांचवें चरण में चुनाव होना है जिसके नामांकन की अंतिम तिथि तीन मई है। विपक्षी गठबंधन आईएनडीआईए की प्रमुख सहयोगी समाजवादी पार्टी 80 में से 62 सीटों पर चुनाव लड़ रही है। 17 सीटों पर कांग्रेस व एक सीट पर बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की पार्टी तृणमूल कांग्रेस चुनाव लड़ रही है। सपा इनमें से 59 सीटों पर अपने प्रत्याशी घोषित कर चुकी है। अब उसे फतेहपुर, कैसरगंज व राबट्र्सगंज में प्रत्याशी घोषित करने हैं।

कैसरगंज में भाजपा के प्रत्याशी का इंतजार

सपा कैसरगंज में भाजपा के प्रत्याशी का इंतजार कर रही है। यहां पर तीन बार के सांसद बृजभूषण शरण सिंह का भाजपा में टिकट अभी फंसा हुआ है। हालांकि, सपा की ओर से पूर्व विधायक बैजनाथ दूबे व सपा नेता विनोद कुमार शुक्ल नामांकन पत्र खरीद चुके हैं। यह सीट 1996 से 2009 तक लगातार सपा के पास रही है। इस सीट से लगातार चार चुनाव बेनी प्रसाद यादव जीत चुके हैं। 2009 के चुनाव में बृजभूषण सपा के टिकट से ही सांसद बने थे। इसके बाद 2014 व 2019 के चुनाव में उन्होंने यहां से कमल खिलाया था।

चर्चा यह भी है कि अगर भाजपा से उनका टिकट कटता है तो उन्हें सपा अपना टिकट दे सकती है। फतेहपुर में सपा के प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम पटेल व पूर्व सांसद डॉ. अशोक पटेल के साथ ही अब तीसरा नाम पूर्व प्रधानमंत्री वीपी सिंह के बेटे अजेय प्रताप सिंह का भी जुड़ गया है। अजेय वर्ष 2009 का लोकसभा चुनाव जन मोर्चा पार्टी से लड़ चुके हैं। उन्हें महज 7,422 वोट मिले थे और उनकी जमानत जब्त हो गई थी।

राबट्र्सगंज सीट में भी सपा को एनडीए प्रत्याशी का इंतजार

वहीं, राबट्र्सगंज सीट में भी सपा को एनडीए प्रत्याशी का इंतजार है। यह सीट एनडीए में अपना दल (एस) कोटे में है। यहां से अपना दल के पकौड़ी लाल कोल सांसद हैं। वे 2009 में सपा के टिकट से भी सांसद बन चुके हैं। यह सुरक्षित सीट है यहां से कोल बिरादरी के नेता को ही सपा लड़ाएगी। यहां पर सातवें चरण में चुनाव होना है जिसकी नामांकन प्रक्रिया सात मई से 14 मई तक चलेगी।

विपक्षी गठबंधन आईएनडीआईए की प्रमुख सहयोगी समाजवादी पाटह्न 80 में से 62 सीटों पर चुनाव लड़ रही है। 17 सीटों पर कांग्रेस व एक सीट पर बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनजह्न की पाटह्न तृणमूल कांग्रेस चुनाव लड़ रही है। सपा इनमें से 59 सीटों पर अपने प्रत्याशी घोषित कर चुकी है। अब उसे फतेहपुर कैसरगंज व राबट्र्सगंज में प्रत्याशी घोषित करने हैं।

मई-जून में क्या होगा

लखनऊ। पूरी दुनिया गर्मी की मार झेल रही है. वर्ल्ड मेट्रोलॉजिकल ऑर्गनाइजेशन ने जनवरी में 2023 को अब तक का सबसे गर्म साल घोषित किया था. मौसम विज्ञानियों ने आशंका जाहिर की है कि 2024 पिछले साल से भी गर्म साबित हो सकता है. इसकी एक वजह अल नीनो को बताया गया था. प्डक के मुताबिक, अल नीनो की स्थितियां मई और जून में भी बरकरार रहने की उम्मीद है. गर्मी के सीजन में अल नीनो के चलते तापमान में और इजाफा देखने को मिल सकता है. मौसम वैज्ञानिकों ने पहले कहा था कि जून से अल नीनो का प्रभाव खत्म होने लगेगा. अगस्त तक ला–नीना की स्थितियां बनती हैं तो मॉनसून बेहतर रह सकता है।

इन सीटों पर अब भी सेनापति का इंतजार

■ [redacted]

लखनऊ। [redacted]

- रार्बटसगंज, कैसरगंज, रायबरेली में भाजपा प्रत्याशी का इंतजार
- सपा में रार्बटसगंज, फतेहपुर व कैसरगंज के लिए अभी प्रत्याशी चयन बाकी
- बसपा को अभी करना है डेढ़ दर्जन लोकसभा सीटों के लिए प्रत्याशियों का चयन

लोकसभा चुनाव के आरंभिक दो चरण वीतने के वाद भी उप्र की पांच लोकसभा सीटें ऐसी हैं जहां प्रत्याशियों की घोषणा करना सभी प्रमुख राजनीतिक दलों के लिए यक्ष प्रश्न वना हुआ है। सत्तारूढ़ भाजपा से लेकर समाजवादी पार्टी, कांग्रेस व वहुजन समाज पार्टी अभी तक इन सीटों से लड़ने वाले अपने-अपने योद्धा का निर्धारण नहीं कर पाई है। सवकी नजर एक-दूसरे के प्रत्याशियों पर है।

सत्तासीन एनडीए गठवंधन के तहत भाजपा 72 सीटों पर अपने प्रत्याशियों की घोषणा कर चुकी है। पांच सीटें उसने सहयोगी दलों सुभासपा, अपना दल एस व रालोद को दी हैं। तीन सीटों कैसरगंज, रायवरेली व रावर्टसगंज (सुरक्षित) में प्रत्याशी घोषित होने शेष हैं। कैसरगंज से वर्तमान भाजपा सांसद वृज भूषण सिंह टिकट की उम्मीद लगाये वैठे हैं पर पार्टी ने अभी तक प्रत्याशी घोषित न कर रहस्य वना रखा है। रायवरेली से कांग्रेस की प्रियंका गांधी के चुनाव लड़ने की चर्चा है, लेकिन घोषणा नहीं हुई है। वसपा ने भी रायवरेली से प्रत्याशी घोषित नहीं किया है।

सपा ने इंडिया गठवंधन के तहत अमेठी व रायवरेली सहित 17 सीटें कांग्रेस को व एक सीट तृणमूल कांग्रेस को दी है। शेष वची 62 सीटों के सापेक्ष वह 59 सीटों पर प्रत्याशी घोषित कर चुकी है तथा तीन लोकसभा क्षेत्रों रावर्टसंगज, फतेहपुर व कैसरगंज के लिए प्रत्याशी चयन अभी शेष है।

इंडिया गठवंधन के प्रमुख दल कांग्रेस उप्र में मिली 17 सीटों के सापेक्ष 15 सीटों प्रत्याशी तय कर चुकी है और अमेठी व रायवरेली से प्रत्याशियों की घोषणा का अभी इंतजार है।

वसपा इस चुनाव में अव तक 62 सीटों पर प्रत्याशियों की घोषणा कर चुकी है। इनमें से वरेली से वसपा के प्रत्याशी छोटे लाल गंगवार का पर्चा ही खारिज हो गया। इस तरह यहां अव वसपा का कोई प्रत्याशी नहीं है। करीव डेढ़ दर्जन सीटों पर वसपा के प्रत्याशी घोषित होने अभी शेष हैं।

कैसरगंज, रायबरेली व अमेठी सीट पर देश भर की नजरें : सूवे की कैसरगंज, रायवरेली व अमेठी सीट पर देश भर की नजरें हैं। कैसरंगज से तीन वार के सांसद वाहुवली नेता वृजभूषण शरण सिंह का भाजपा से टिकट अभी फंसा है। सपा व वसपा भी यहां भाजपा के रुख को देखकर ही अपने पत्ते खोलेगी। कैसरगंज सीट 1996 से 2009 तक सपा के पास थी। 2009 में वृजभूषण शरण सिंह यहां पहली वार सपा के टिकट पर ही सांसद वने थे। इसके वाद उन्होंने 2014 व 2019 में यहां कमल खिलाया। वृजभूषण शरण सिंह भाजपा से तीसरी वार टिकट मिलने की वेसब्री से प्रतीक्षा कर रहे हैं। भाजपा से उनको टिकट न मिलने पर सपा उनको अपने पाले में करने की कोशिश कर सकती है।

इसी तरह रायवरेली व अमेठी सीट पर भी देश भर की नजर है। कांग्रेस ने इन सीटों पर प्रत्याशियों की घोषणा न कर सभी दलों को असमंजस में डाल रखा है। गौरतलव है रायवरेली से सांसद रहीं सोनिया इस वार राज्यसभा में चली गई हैं। कांग्रेस कार्यकर्ता प्रियंका गांधी को रायवरेली तथा राहुल गांधी को अमेठी से चुनाव लड़ाने की मांग कर रहे हैं। लेकिन पार्टी नेतृत्व ने अभी अपने पत्ते नहीं खोले हैं जवकि यहां पर नामाकंन की अंतिम तिथि 3 मई है।

धर्मांतरण कर अल्पसंख्यक बनाने की साजिश

- बंगाल में योगी ने टीएमसी पर किया जोरदार हमला

वीरभूमि/बहरामपुर (एसएनबी)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को पश्चिम वंगाल में सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस पर कम्युनिस्ट पार्टी और कांग्रेस के साथ मिलकर सीमा पार से वड़े पैमाने पर घुसपैठ को वढ़ावा देकर राज्य की जनसांख्यिकी को वदलने तथा हिंदुओं का धर्मांतरण कर उन्हें अल्पसंख्यक वनाने की 'साजिश' रचने का आरोप लगाया।

योगी ने वंगाल के सीमावर्ती मुर्शिदावाद जिले में यहां भारतीय जनता पार्टी उम्मीदवार के पक्ष में एक चुनावी सभा को संवोधित करते हुए कहा कि मै राज्य के मुख्यमंत्री से पूछना चाहता हूं कि सरकार ने राज्य में वैसाखी समारोह और रामनवमी की शोभा यात्रा पर हमला करने वालों के खिलाफ कोई कार्रवाई क्यों नहीं की। उन्होंने कहा कि मै यहां राज्य में हाल की घटनाओं पर पश्चिम वंगाल सरकार से सवाल करने के लिए आया हूं। वंगाल में मौजूदा स्थिति वैसी नहीं है जैसी हमारे स्वतंत्रता सेनानियों ने 'सोनार वांग्ला' के लिए कल्पना की थी। कांग्रेस और तृणमूल कांग्रेस दोनों राज्य को लूटने तथा देश के खिलाफ काम करने की साजिश कर रहे है। उत्तर प्रदेश में सात साल पहले ऐसी ही स्थिति थी लेकिन आज, हमारी वेटियां, व्यापारी और व्यवसायी उत्तर प्रदेश में सुरक्षित है।

योगी आदित्यनाथ ने लोकसभा सीट वहरामपुर, जहां मतदाताओं का वड़ा हिस्सा अल्पसंख्यक समुदाय से है, से भाजपा उम्मीदवार एवं चिकित्सक निर्मल चंद्र साहा के लिए चुनाव प्रचार करते हुए कहा कि मैने अव तक उप्र. में हमलावरों को उल्टा लटका दिया होता ताकि उनकी सात पीढ़ियां दोवारा ऐसा अपराध करने की हिम्मत न कर पातीं। भगवा वस्त्र पहने योगी ने 'जय श्रीराम' के जयकारों के वीच सभा को संवोधित करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश में भी सात साल पहले वही स्थिति थी जो वंगाल में अव संदेशखाली जैसे महिलाओं पर हमले के रूप में देखी जा रही है। पर अव उप्र. में कोई सांप्रदायिक दंगा नहीं होता, कोई कर्फ्यू नहीं लगता, महिलाओं पर कोई अत्याचार नहीं होता और व्यवसायियों पर कोई हमला नहीं होता। उन्होंने तृणमूल और कम्युनिस्टों पर राज्य के वहुसंख्यक लोगों के खिलाफ साजिश रचने तथा पश्चिम वंगाल की जनसांख्यिकी को वदलने का प्रयास करने का आरोप लगाया है।

लेडी सिंघम को मिला नायाब तोहफा

लिखा–हमारे हीरो के लिए, खुशी से गदगद हुईं दीपिका पादुकोण

एंटरटेनमेंट डेस्क। बॉलीवुड अभिनेत्री दीपिका पादुकोण इन दिनों अपनी आगामी फिल्म 'सिंघम अगेन' और अपनी प्रेग्नेंसी को लेकर जमकर सुर्खियां बटोर रही हैं। कुछ ही घंटों पहले दीपिका को एक खास सरप्राइज मिला है, जिसे उन्होंने सोशल मीडिया पर अपने फैंस के साथ शेयर किया है। 'सिंघम अगेन' अभिनेत्री दीपिका पादुकोण अपनी बेहतरीन अदाकारी के लिए पहचानी जाती हैं। उन्होंने हमेशा अपने उम्दा अभिनय से दर्शकों का दिल जीता है। हाल ही में दीपिका की फिल्म 'फाइटर' रिलीज हुई थी। इस फिल्म में स्कवाडन लीडर की भूमिका में दीपिका ने फैंस का दिल एक बार फिर से जीत लिया। कुछ समय पहले सोशल मीडिया पर दीपिका ने अपनी प्रेग्नेंसी की खबर शेयर की थी। उन्होंने एक पोस्ट शेयर कर लिखा– सितंबर 2024। यानी वो और रणवीर सिंह सितंबर तक पेरेंट्स बन जाएंगे। आज दीपिका पादुकोण ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर एक बेहद खास पोस्ट साझा किया है। दरअसल, उन्हें किसी फैन ने फूलों के साथ एक प्यारा नोट भी सरप्राइज के तौर पर भेजा है, जिसे दीपिका ने सोशल मीडिया पर शेयर किया है।

सोशल मीडिया पोस्ट

हाल ही में फिल्म 'सिंघम अगेन' के निर्देशक रोहित शेट्टी ने लेडी सिंघम का लुक सोशल मीडिया पर जारी किया था। दीपिका को लेडी सिंघम के अवतार में देखने के बाद फैंस इस फिल्म को लेकर और दीपिका के किरदार को लेकर काफी उत्साहित हो गए हैं। इस पोस्टर में दीपिका अभिनेता अजय देवगन का 'सिंघम' का सिग्नेचर पोज करती नजर आईं। उनके इसी लुक को फैंस बेहद पसंद कर रहे हैं। इस लुक से खुश होकर फैंस उन्हें लगातार फूलों का गुलदस्ता भेज रहे हैं। आज दीपिका पादुकोण ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट साझा की है, जिसमें लाल, गुलाबी और सफेद फूलों के बीच एक प्यारा नोट नजर आ रहा है। इस खूबसूरत नोट पर लिखी हैंडराइटिंग सभी का ध्यान अपनी ओर खींच रही है। इस खूबसूरत नोट पर लिखा है 'हमारी हीरो, लेडी सिंघम के लिए' फैंस के कमेंट्स इस खूबसूरत नोट को देखने के बाद दीपिका के फैंस लगातार उन्हें कमेंट्स कर रहे हैं। कोई फैन दीपिका को उनके इस नोट के लिए कमेंट कर रहा है तो कोई उन्हें उनके आने वाले बच्चे के लिए बधाई दे रहा है। एक फैन ने लिखा, ''मुझे लगा कि दीपिका को लड़की हुई है।'', एक और फैन ने लिखा, ''यही है लेडी सिंघम'', एक फैन ने लिखा, ''2024 की सबसे ज्यादा कमाई कने वाली फिल्म होगी सिंघम अगेन।''

रोहित शेट्टी ने साझा किया था लेडी सिंघम का लुक

कुछ दिनों पहले निर्देशक रोहित शेट्टी ने दीपिका पादुकोण के लिए एक खास पोस्ट शेयर किया था। रोहित ने अपनी आगामी फिल्म 'सिंघम अगेन' में दीपिका का लेडी सिंघम लुक सोशल मीडिया पर जारी किया था। रोहित ने दीपिका की एक जबरदस्त फोटो के साथ कैप्शन में लिखा, ''मेरी हीरो.... रील मैं भी और रीयल लाइफ में भी... लेडी सिंघम।''''सिंघन अगेन' कॉप यूनिवर्स की तीसरी फिल्म है।

श्रेया और सुनिधि ने साझा की मुलाकात की तस्वीरें

बादशाह ने दी प्रतिक्रिया

एंटरटेनमेंट डेस्क। हिंदी सिनेमा की दो मशहूर गायिकाएं सुनिधि चौहान और श्रेया घोषाल ने एक सेल्फी साझा की है। इसमें दोनों गायिकाएं फ्लाइट में नजर आ रही हैं। सोशल मीडिया पर उनके फैंस इस तस्वीर पर खूब प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं। श्रेया घोषाल और सुनिधि चौहान भारत की दो बेहतरीन गायिकाएं हैं।

इन्होंने कई सुपरहिट गाने दिए हैं। भारतीय संगीत की दुनिया में इन दोनों अभिनेत्रियों ने एक बड़ा मुकाम हासिल किया है। दोनों ही गायिकाओं को उनकी आवाज और बहुमुखी अंदाज के लिए जाना जाता है। दोनों लंबे समय से बॉलीवुड में सक्रिय हैं। हाल में ही दोनों की फ्लाइट में मुलाकात हो गई, जिसके बाद उन्होंने इस मुलाकात की तस्वीरें साझा की हैं।

श्रेया ने साझा की तस्वीर

श्रेया और सुनिधि ने फ्लाइट में हुई अपनी मुलाकात की तस्वीरें सोशल मीडिया पर साझा की हैं। तस्वीर में दोनों मुस्कुराते हुए सेल्फी लेती नजर आ रही हैं। इस तस्वीर को साझा करते हुए श्रेया ने लिखा,'एस सी एस जी ने इंटरनेट पर मचाया धूम'। श्रेया और सुनिधि की यह तस्वीर लोगों को काफी पसंद आई है। इस पोस्ट पर दोनों गायिकाओं के फैंस खूब प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं। श्रेया की इस पोस्ट पर सुनिधि ने भी अपनी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने इस पोस्ट पर कमेंट करते हुए लिखा, 'फ्लाइट में आपका साथ मस्ती भरा रहा... लव यू'।

बादशाह ने भी किया कमेंट

श्रेया घोषाल और सुनिधि चौहान की तस्वीर सोशल मीडिया पर जंगल के आग की तरह फैल रही है। इस पर अब तक कई सेलिब्रेटीज ने प्रतिक्रिया दी है। इस तस्वीर पर मशहूर संगीतकार विशाल ददलानी ने भी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने लिखा, 'सिर्फ आपकी बातों को सुनने के लिए ,मैं भी इस विमान में होना चाहता हूं'। इस पर जोनिता गांधी ने लिखा, 'अगर आप भी 2024 में इनको साथ में किसी गाने में देखना चाहते हो तो इस कमेंट को लाइक कर दो'। इनके अलावा मशहूर रैपर बादशाह ने भी कमेंट कर प्रतिक्रिया दी है।

दोनों ने दिए हैं कई सुपरहिट गाने

सुनिधि चौहान ने अपने करियर में लगातार सुपरहिट गाने दिए हैं। जिनमें कमली, देसी गर्ल, धूम मचाले , शीला की जवानी, बीडी जलइले, हलकट जवानी आदि शामिल हैं।

इसके अलावा वह गानों पर आधारित रियलिटी शोज जैसे 'इंडियन आइडल' और 'द वॉइस' में भी बतौर जज नजर आ चुकी हैं। श्रेया घोषाल ने भी अपने करियर में एक से बढ़कर एक गाने किए हैं। साल 2002 में आई फिल्म 'देवदास' से उन्हें पहचान मिली थी। इसके बाद उन्होंने लगातार बेहतरीन गाने दिए हैं। इसके अलावा वह पिया बोले, जादू है नशा है, बरसो रे मेघा, मनवा लागे, घर मोरे परदेशिया जैसे गानों में अपनी आवाज दी है।

गरीबों के मसीहा हैं सोनू सूद!

नंबर ब्लॉक हुआ तो अभिनेता के घर पर ही लग गया जरूरतमंदों का तांता

एंटरटेनमेंट डेस्क। सोनू सूद अपने प्रशंसकों के दिलों में बसते हैं। वे न सिर्फ अपने अभिनय की काबिलियत की वजह से चहेते हैं, बल्कि दूसरों की मदद के लिए हमेशा तत्पर रहने की वजह से भी लोग उन्हें बेहद पसंद करते हैं।

अभिनेता सोनू सूद को 'गरीबों का मसीहा' कहा जाता है। वे जरूरतमंदों की मदद के लिए हमेशा तैयार रहते हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर तमाम लोग उनसे मदद की गुहार लगाते हैं। इसके अलावा उनके निजी मोबाइल नंबर और व्हॉट्सएप के जरिए भी लोग मदद मांगते दिखते हैं। बीते दिनों सोनू सूद का व्हॉट्सएप ब्लॉक हो गया। इससे उन लोगों को काफी परेशानी हुई, जिन्हें अभिनेता से मदद की दरकार थी। हालांकि, सोनू का नंबर ब्लॉक होने के बाद मदद लेने के लिए लोग उनके घर पहुंच गए।

आधी रात अभिनेता के घर जुटी भीड़

किसी गरीब का उपचार कराना हो या किसी को अन्य आर्थिक मदद की जरूरत हो, सोनू सूद के पास बात पहुंचने पर वे तत्काल तैयार रहते हैं। हाल ही में उनका व्हाट्सएप बंद कर दिया गया था। करीब 61 घंटों के बाद उनके अकाउंट को दोबारा शुरू कर दिया गया। लेकिन, इस बीच लोगों को काफी परेशानी हुई। अभिनेता का नंबर ब्लॉक होने के बाद लोग सीधे तौर पर उनसे मदद मांगने उनके घर पहुंच गए। इसे लेकर एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

लोगों से मिलकर दी तसल्ली

वायरल वीडियो पर यूजर्स सोनू सूद की दिल खोलकर तारीफ लिख रहे हैं और उन्हें दुआएं दे रहे हैं। इस वीडियो में देखा जा सकता है कि लोग अपने बच्चों और परिवारों को लेकर अभिनेता के आवास पर इकट्ठे हुए हैं। सोनू सूद सभी से मिलकर उन्हें तसल्ली देते नजर आ रहे हैं। इस वीडियो पर एक यूजर ने प्रतिक्रिया देते हुए लिखा, 'आपके लिए दिल में अलग सम्मान है'। एक अन्य यूजर ने लिखा, 'फिल्मों में आप विलेन हैं, लेकिन असल जिंदगी में आप हीरो से भी बढ़कर हैं'।

'मैं मोटी हो गई तो, लोग मेरे कैरेक्टर पर कीचड़ उछालने लगे...

मुम्बई। बॉलीवुड एक्ट्रेस परिणीति चोपड़ा फिल्म 'चमकीला' की सक्सेस एन्जॉय कर रही हैं। फिल्म के अभिनेता और सिंगर दिलजीत दोसांझ संग इनकी जोड़ी को खूब सराहा गया है। लेकिन इन सबके बीच परिणीति चोपड़ा कुछ पर्सनल चीजों को लेकर भी सुर्खियों में हैं। आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा से शादी करने के बाद से परिणीति पहले से भी ज्यादा लाइमलाइट में रहने लगी हैं। इंस्टाग्राम (चंतपदममजप बेवचतं) अब परिणीति ने कुछ ऐसी बातें शेयर की हैं, जिसको पढ़कर आपको समझ आएगा कि ये समाज औरतों को लेकर कितना जल्दी जजमेंटल हो जाता है। परिणीति चोपड़ा हाल ही में पॉडकास्ट में आई थीं। जहां उन्होंने बताया कि उनके बढ़े हुए वजन और मोटापे को लेकर कितना ज्यादा ट्रोल किया गया था। परिणीति चोपड़ा ने कहा, ''जिस वक्त मैंने चमकीला साइन की थी...उस वक्त मैं बहुत ज्यादा फिट हो गई थी। मैं पिछले 2 सालों से अपने आप तो फिट करने के लिए वर्क आउट कर रही थी। मुझे एकदम ऐब्स भी आ चुके थे।'' परिणीति चोपड़ा ने आगे कहा, ''लेकिन जैसे ही इम्तिआज अली सर ने मुझे चमकीला फिल्म ऑफर की। लेकिन उन्होंने मुझे कहा, लेकिन सुनो तुम चमकीला की दूसरी पत्नी जैसी दिख नहीं रही हो...। उसी वक्त मैं अपना 2 सालों से किया हुआ वर्कआउट एकदम से भूल गई। 2 साल की मेहनत मैं एक मिनट में भूल गई।''परिणीति चोपड़ा ने बताया कि, ''मैंने इस फिल्म के लिए 16 किलो वजन बढ़ाए हैं। मैं हैवी खाना खाती थी और खाकर सोने जाती थी...। मेरी लाइफस्टाइल एकदम अनहेल्दी हो गई थी।'' परिणीति चोपड़ा ने आगे ये भी कहा कि, ''मैं हद से ज्यादा खाना खाती थी, ताकि सुबह उठूं तो चेहरा पर पफीनेस आए। 6 महीने तक मैंने बहुत ही अनहेल्दी खाना खाया है। मेरी लाइफस्टाइल बहुत प्रभावित हुई...मैंने अच्छे से सो नहीं पाती थी।'' परिणीति चोपड़ा ने यह भी कहा कि, ''मेरे बढे हुए वजन की वजह, मेरे पास से सारे एड और ब्रांड चले गए, मैंने कोई इवेंट नहीं किया। मैं बहुत ही अजीब दिखने लगी थी। मैं उस वक्त बहुत असहज हो गई थी...। इसी बीच लोगों ने मेरे ऊपर कमेंट करना शुरू कर दिया।''परिणीति चोपड़ा ने कहा कि, ''लोग ये कहने लगे थे कि....मैं प्रेग्नेंट थीं...। लोग कहते थे कि मैंने लाइपोसेक्शन करवाया है। लोग ये बोलते थे कि मैंने चेहरे पर बोटोक्स करवाया है। पता नहीं लोगों ने क्या–क्या बोला... उन्होंने मेरे कैरेक्टर पर कीचड़ उछाला।'' परिणीति चोपड़ा ने कहा कि, ''अब मैं फिल्म के बाद वजन घटाने को लेकर संघर्ष कर रही हूं...। लेकिन हर तरफ से लोग मुझपर अटैक करने लगे थे और कहने लगे थे कि मैं अच्छी नहीं लगती... घटिया लग रही हूं,...।''परिणीति चोपड़ा ने कहा, ''मुझे बुरा लगता है कि लोग बहुत जल्दी जज कर लेते हैं। बुरा लगता है कि लोग समझते नहीं हैं कि मैंने ये सब क्यों किया...बस उनको बोलना होता है।'परिणीति चोपड़ा ने कहा कि, ''मैं इन सबके बीच शादी की हूं। उसी लुक में, मैंने अपनी जिंदगी का सबसे बड़ा दिन यानी शादी भी की...फिर से लोगों ने बोलना बंद नहीं किया। मैंने पर्सनल लेवल पर बहुत सहा और त्याग किया है।''

रोहित शर्मा का क्या मिटेगा 17 साल का सूखा

दिल्ली। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने मंगलवार को टी20 विश्व कप के लिए भारतीय टीम घोषित कर दी है। भारत रोहित शर्मा की कप्तानी में एक बार फिर आईसीसी टूर्नामेंट में उतरेगा। पिछले साल रोहित की अगुआई में टीम ने घरेलू मैदान पर खेले गए वनडे विश्व कप का फाइनल खेला था जहां टीम फाइनल में हार गई थी। रोहित की सेना के सामने अब जून में अमेरिका और वेस्टइंडीज में होने वाले टी20 विश्व कप में आईसीसी ट्रॉफी का खिताबी सूखा खत्म करने का मौका रहेगा। भारत ने आखिरी बार 2011 में महेंद्र सिंह धोनी की कप्तानी में वनडे विश्व कप का खिताब जीता था, जबकि टीम 2007 के बाद से अब तक कभी टी20 विश्व कप नहीं जीत सकी है। आइए जानते हैं सभी 15 खिलाड़ियों का खेल के सबसे छोटे प्रारूप में कैसा रहा है रिकॉर्ड।

रोहित शर्मा

भारतीय कप्तान रोहित शर्मा 2007 टी20 विश्व कप विजेता टीम का हिस्सा रहे हैं। रोहित के नाम टी20 में पांच शतक और 29 अर्धशतक हैं। टी20 विश्व कप में रोहित ने 39 मैचों में 34.39 की औसत से 963 रन बनाए हैं। आईपीएल 2024 के प्रदर्शन की बात करें तो रोहित ने मुंबई इंडियंस के लिए अब तक अच्छी बल्लेबाजी की है और 160.30 की स्ट्राइक रेट से 311 रन बनाए हैं।

विराट कोहली

कोहली का प्रदर्शन इस वैश्विक टूर्नामेंट में हमेशा ही खास रहा है। वह टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं। टी20 विश्व कप में कोहली ने 27 मैचों में 1141 रन बनाए हैं और इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 131.30 का रहा है। आईपीएल के मौजूदा सीजन में भी कोहली का बल्ला जमकर बोल रहा है और उन्होंने 10 मैचों में 500 रन बनाए हैं और वह ऑरेंज कैप की दौड़ में सबसे आगे चल रहे हैं।

यशस्वी जायसवाल

युवा सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल पहली बार टी20 विश्व कप में शिरकत करेंगे। 22 साल के यशस्वी ने पिछले साल खेल के सबसे प्रारूप में भारत के लिए डेब्यू किया था। आईपीएल में राजस्थान रॉयल्स के लिए खेलने वाले यशस्वी ने शुरुआती मैचों में खराब प्रदर्शन किया, लेकिन मुंबई के खिलाफ 59 गेंदों पर शतक बनाने में सफल रहे थे। यशस्वी पर टी20 विश्व कप में टीम को मजबूत शुरुआत दिलाने की जिम्मेदारी रहेगी।

सूर्यकुमार यादव

टी20 के शीर्ष बल्लेबाजों में शामिल सूर्यकुमार यादव पर ऊपरी क्रम की जिम्मेदारी रहेगी। सूर्यकुमार ने टी20 में चार शतक और 17 अर्धशतक लगाए हैं। टी20 विश्व कप में भी उनका रिकॉर्ड शानदार रहा है। सूर्यकुमार ने इस टूर्नामेंट में 10 मैचों में 181.29 की स्ट्राइक रेट से 281 रन बनाए हैं। दो ऑपरेशन के बाद आईपीएल से क्रिकेट के मैदान पर वापसी करने वाले सूर्यकुमार ने पंजाब के खिलाफ 78 रन और 19 गेंदों पर 52 रनों की पारी खेल अपना दम दिखाया था।

ऋषभ पंत

कार दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल होने के बाद भारतीय टीम में वापसी करने वाले विकेटकीपर ऋषभ पंत के लिए टीम में लौटना भावुक क्षण है। पंत अब तक अपने करियर में सात टी20 विश्व कप के मुकाबले खेल चुके हैं और इस दौरान उन्होंने 87 रन बनाए हैं। मौजूदा आईपीएल सीजन से क्रिकेट के मैदान पर वापसी करने वाले शानदार फॉर्म में चल रहे हैं। वह अब तक 10 मैचों में 160.60 की स्ट्राइक रेट से 371 रन बना चुके हैं।

संजू सैमसन

दूसरे विकेटकीपर के तौर पर सैमसन के नाम की काफी चर्चा हुई थी । यह कहना गलत नहीं होगा कि उन्हें आईपीएल में खेलने का ईनाम मिला है। सैमसन अपने करियर में पहली बार टी20 विश्व कप खेलेंगे। आईपीएल में राजस्थान की कमान संभालने वाले सैमसन का बल्ला इस सीजन जमकर बोला है और उन्होंने अब तक 161.08 की स्ट्राइक रेट से 385 रन बनाए हैं जिसमें चार अर्धशतक भी शामिल हैं।

हार्दिक पांड्या

पिछले साल वनडे विश्व कप के दौरान चोटिल होने वाले ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या भी टी20 विश्व कप से भारतीय टीम में वापसी करेंगे। इस टूर्नामेंट में हार्दिक ने 16 मैचों में 243 रन बनाए हैं और उनके नाम 13 विकेट भी हैं। आईपीएल में मुंबई की कमान संभलने वाले हार्दिक ने मौजूदा सीजन में नौ मैचों में 197 रन बनाए हैं और गेंदबाजी में करीब 12 के इकॉनोमी रेट से चार विकेट ही लिए हैं। खराब प्रदर्शन के बावजूद उनके चयन को लेकर विवाद भी हो रहा है।

शिवम दुबे

आईपीएल में आक्रमक बल्लेबाजी से ध्यान अपनी ओर खींचने वाले शिवम दुबे आखिरकार टीम में जगह बनाने में सफल रहे हैं। शिवम को रिंकू सिंह पर प्राथमिकता दी गई और इसका सबसे बड़ा कारण उनका बल्ले के साथ–साथ गेंदबाजी कर पाना भी है। शिवम पहली बार टी20 विश्व कप में हिस्सा लेंगे। शिवम ने मौजूदा आईपीएल में नौ मैचों में 172.41 की स्ट्राइक रेट से 350 रन बनाए हैं। हालांकि उन्हें इस सीजन फिलहाल गेंदबाजी का मौका नहीं मिला है।

रवींद्र जडेजा

भारत के सबसे अनुभवी ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा हमेशा ही टीम के एक्स फैक्टर रहे हैं। उन्होंने हर प्रारूप में टीम का प्रतिनिधित्व किया है। जडेजा टी20 विश्व कप में 22 मैचों में 95 रन बना चुके हैं और इस दौरान उन्होंने 21 विकेट भी झटके हैं। आईपीएल में चेन्नई सुपर किंग्स के लिए खेलने वाले जडेजा ने इस सीजन नौ मैचों में 157 रन बनाए हैं और पांच विकेट भी लिए हैं।

अक्षर पटेल

अक्षर पटेल के पास टी20 प्रारूप में खलने का अच्छा अनुभव है और वह गेंदबाजी के साथ–साथ बल्ले से भी भूमिका अदा करने में सक्षम हैं। वह टी20 विश्व कप में पांच मैच खेल चुके हैं और इस दौरान उन्होंने सात रन बनाए हैं और तीन विकेट लिए हैं। दिल्ली कैपिटल्स के खेलते हुए अक्षर ने मौजूदा सीजन में 150 के करीब रन बनाए हैं और नौ विकेट भी अपने नाम किए हैं।

कुलदीप यादव

कलाई के स्पिनर कुलदीप लगातार शानदार फॉर्म में चल रहे हैं और वह मौजूदा समय में दुनिया के सर्वश्रेष्ठ स्पिन गेंदबाजों में शामिल हैं। कुलदीप ने हालांकि इससे पहले कभी टी20 विश्व कप में हिस्सा नहीं लिया है। दिल्ली के लिए खेल रहे कुलदीप मौजूदा आईपीएल में नौ मैचों में 12 विकेट ले चुके हैं।

युजवेंद्र चहल

टी20 प्रारूप में भारत के सबसे अनुभवी खिलाड़ियों में से एक चहल आईपीएल में सर्वाधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। चहल एकमात्र गेंदबाज हैं जिनके नाम आईपीएल में 200 विकेट दर्ज हैं। राजस्थान के लिए खेलने वाले लेग स्पिनर चहल ने मौजूदा आईपीएल सीजन में नौ मैचों में 13 विकेट लिए हैं।

अर्शदीप सिंह

पिछले टी20 विश्व कप टीम में हिस्सा रहे अर्शदीप इस बार भी वैश्विक टूर्नामेंट के लिए भारतीय टीम में जगह बनाने में सफल रहे हैं। अर्शदीप ने पिछली बार काफी प्रभावित किया था और छह मैचों में 10 विकेट लिए थे। आईपीएल में पंजाब किंग्स के लिए खेलने वाले बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप ने आईपीएल 2024 के नौ मैचों में 12 विकेट लिए हैं। उन्होंने सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ मैच में चार विकेट झटके थे।

जसप्रीत बुमराह

भारत के सबसे प्रमुख तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के आगे दुनिया के किसी भी बल्लेबाज के लिए टिक पाना आसान नहीं होता। इसमें कोई दो राय नहीं है कि भारतीय पेस बैटरी का नेतृत्व बुमराह ही करेंगे। बुमराह टी20 विश्व कप में 10 मैच खेल चुके हैं और इस दौरान उन्होंने 11 विकेट लिए हैं। मुंबई के लिए खेलने वाले बुमराह ने आईपीएल के मौजूदा सीजन में फिलहाल नौ मैचों में 6.63 की इकॉनोमी रेट से 14 विकेट लिए हैं।

मोहम्मद सिराज

सिराज आईपीएल के मौजूदा सीजन में खराब फॉर्म से जूझ रहे हैं। आरसीबी के लिए खेलने वाले सिराज ने फिलहाल नौ मैचों में छह विकेट लिए हैं और काफी महंगे साबित हो रहे हैं। सिराज के पास भारत के लिए टी20 प्रारूप में खेलने का ज्यादा अनुभव नहीं है और उन्होंने अब तक सिर्फ 10 मैच ही खेले हैं। सिराज पिछली बार टी20 विश्व कप टीम का हिस्सा नहीं रहे थे।

दी नेक्स्ट पोस्ट

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक बृजेन्द्र कुमार द्वारा फाइन ऑफसेट प्रिन्टर्स मदरसा हुसैनिया बिल्डिंग बक्सीपुर गोरखपुर से मुद्रित एवं 665 बी गंगा टोला, निकट जानकी बिल्डिंग मैटेरियल बसारतपुर पश्चिमी, गोरखपुर से प्रकाशित। पिन:– 273003

Tital code: UPHIN51019

बृजेन्द्र कुमार
मो0. नं0. 7307180148,9170772370
Email- thenextpost01@gmail.com

नोटः- समाचार पत्र से सम्बन्धित सभी वाद-विवाद गोरखपुर जिला न्यायालय के अन्तर्गत मान्य होगे।

फ्रेंचाइजी	कितने खिलाड़ी	कौन-कौन
मुंबई इंडियंस	4	रोहित, हार्दिक, सूर्या, बुमराह
राजस्थान रॉयल्स	3	सैमसन, यशस्वी, चहल
दिल्ली कैपिटल्स	3	पंत, अक्षर, कुलदीप
रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु	2	विराट, सिराज
चेन्नई सुपर किंग्स	2	दुबे, जडेजा
पंजाब किंग्स	1	अर्शदीप

फ्रेंचाइजी	कितने खिलाड़ी
मुंबई इंडियंस	4
राजस्थान रॉयल्स	3
दिल्ली कैपिटल्स	3
रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु	2
चेन्नई सुपर किंग्स	2
पंजाब किंग्स	1